दैनिक

सुप्रभात रायपुर

प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 21 रायपुर, शनिवार, 24 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 नेताजी सुभाषचंद्र बोस ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

बेटे अयान को मेरी पहली... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का हुआ भव्य शुभारंभ... देशभर के 120 साहित्यकार, 42 सत्रों में करेंगे विचार-विमर्श

गणतंत्र के अमृतकाल में साहित्य उत्सव का आयोजन

हमारी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

साहित्य आशा, साहस और सामाजिक चेतना जागृत करने का सबसे सशक्त माध्यम : उप सभापति हरिवंश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर के नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आज रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन विनोद कुमार शुक्ल मंडप में किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा तथा सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता मनोज जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उद्घाटन अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकार, जे. नंदकुमार द्वारा लिखित पुस्तक नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की पुस्तक लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की पुस्तक तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया।

उप सभापति श्री हरिवंश ने अपने संबोधन की शुरुआत छत्तीसगढ़ के महान साहित्यकार स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी साहित्य की एक समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है तथा इस प्रदेश ने अपनी स्थानीय संस्कृति को सदैव मजबूती से संजोकर रखा है। रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन में अत्यंत रचनात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कबीर के काशी से गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा से भी उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उप सभापति श्री हरिवंश ने कहा कि एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है, निराशा से उबारता है और जीवन जीने का साहस प्रदान करता है।

उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। देश की आत्मनिर्भरता से दुनिया को नई दिशा मिली है और इस राष्ट्रीय शक्ति के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल है और इस पावन भूमि पर तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव का शुभारंभ होना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव 2026 साहित्य का एक महाकुंभ है, जिसमें प्रदेश और देश के विभिन्न राज्यों से आए 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकार सहभागिता कर रहे हैं। आयोजन के दौरान कुल 42 सत्रों में समकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विषयों पर गहन विमर्श होगा। यह समय गणतंत्र के अमृतकाल और छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष का है, इसी भाव के अनुरूप इस उत्सव का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम की तुलना समुद्र मंथन से करते हुए कहा कि जिस प्रकार समुद्र मंथन में विष और अमृत दोनों निकले, उसी प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन में हमारे सेनानियों ने विष रूपी कष्ट स्वयं सहकर आने वाली पीढ़ियों को आज़ादी का अमृत प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हमारे अनेक स्वतंत्रता सेनानी लेखक, पत्रकार और वकील भी थे। माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा बिलासपुर जेल में रचित पुष्प की अभिलाषा जैसी रचनाओं ने देशवासियों को प्रेरित किया। माधवराव सप्रे की कहानी एक टोकरी भर मिट्टी को हिंदी की पहली कहानी माना जाता है।

मुख्यमंत्री ने पंडित लोचन प्रसाद पांडेय, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और गजानन माधव मुक्तिबोध जैसे साहित्यकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी स्मृतियों को सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। राजनांदगांव में त्रिवेणी संग्रहालय का निर्माण इसी भावना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव के मंडपों को विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित किया गया है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। उन्होंने कहा कि कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध करना सिखाती है और यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में आयोजित काव्यपाठ कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि अटल जी कवि हृदय थे और उनकी कविताओं ने करोड़ों लोगों को प्रेरणा दी। हार नहीं मानूंगाज जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

तमिलनाडु की रैली में बोले पीएम-

द्रमुक की विदाई का काउंटडाउन शुरू

एजेंसी, केरल

शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में एक रैली को संबोधित करने के बाद, पीएम नरेंद्र मोदी चेन्नई पहुंचे। तमिलनाडु में अगले 2-3 महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, पीएम ने मदुरंथकम में NDA की पहली राजनीतिक रैली को संबोधित किया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए एक बड़ी लड़ाई का माहौल बनाते हुए, प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि DMK के जाने की उलटी गिनती शुरू हो गई है।

'भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध' वाली सरकार

पीएम ने कहा कि DMK सरकार को CMC सरकार कहते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि अब इसका मतलब 'भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध' है। तमिलनाडु के लोगों ने DMK को जड़ से उखाड़ फेंकने और बदलाव के लिए वोट देने का फैसला किया है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'तमिलनाडु में अब एक ऐसी सरकार है जिसका लोकतंत्र और जवाबदेही से कोई लेना-देना नहीं है। DMK सरकार सिर्फ एक परिवार की सेवा कर रही है।'

परिवारवाद पर द्रमुक की कड़ी आलोचना

पीएम मोदी ने कहा, 'अगर DMK में किसी को आगे बढ़ना है, तो उनके पास सिर्फ तीन या चार रास्ते हैं: वंशवाद, भ्रष्टाचार, महिलाओं का अपमान करना या हमारी संस्कृति का अपमान करना।

बीजेपी नेता ने कहा कि केंद्र की NDA सरकार ने तमिलनाडु के विकास के लिए अभूतपूर्व काम किया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और DMK भी केंद्र में सत्ता में थीं, और उनकी सरकार ने उनसे तीन गुना ज्यादा पैसा अलॉट किया है।

उन्होंने आरोप लगाया, SC/ST और दूसरे पिछड़े ग्रुप्स की भलाई के नाम पर, उनकी सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार किया।'

कर्तव्य पथ पर सजी छत्तीसगढ़ की झांकी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गणतंत्र दिवस से पूर्व कर्तव्य पथ पर आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल में छत्तीसगढ़ की झांकी ने अपनी विशिष्ट और आकर्षक प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। झांकी में जनजातीय समाज की जीवनशैली, पारंपरिक कला, लोकनृत्य, वेशभूषा और ऐतिहासिक विरासत की झलक को प्रदर्शित किया गया है।

इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी देश के पहले जनजातीय डिजिटल संग्रहालय की थीम पर आधारित है, जिसमें राज्य की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और आधुनिक तकनीक के समन्वय को प्रभावशाली एवं सृजनात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

रायपुर के प्रथम पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से की सौजन्य भेंट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर के नवनियुक्त प्रथम पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राजधानी रायपुर की कानून-व्यवस्था, शहरी सुरक्षा की चुनौतियों तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने नागरिक सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन एवं प्रशासनिक समन्वय को प्रभावी बनाने जैसे बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राजधानी रायपुर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए अधिक अनुकूल बनाने हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। नवनियुक्त कमिश्नर श्री संजीव शुक्ला ने राजधानी की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की।

माघ मेले में वसंत पंचमी पर टूटा महाकुंभ का रिकॉर्ड, 3.56 करोड़ लोगों के स्नान का दावा

एजेंसी, प्रयागराज

माघ मेले में महाकुंभ की वसंत पंचमी का रिकॉर्ड टूट गया। चौथे मुख्य स्नान पर्व पर शुक्रवार को संगम की रेती पर स्नानार्थियों का रेला रहा। संगम सहित गंगा और यमुना के विभिन्न घाटों पर शहरियों के अतिरिक्त संतों और महात्माओं सहित देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाई। प्रशासन का दावा है कि मेले के 24 घाटों पर 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। महाकुंभ-2025 की वसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था।

माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि का संचरण बृहस्पतिवार रात में ही होने से शुक्रवार को स्नान का क्रम भोर से ही आरंभ हो गया। संगम नोज से वीआईपी घाट फिर नोज से दशाश्वमेध, झूंसी, अरैल और फाफामऊ के पास श्रद्धालुओं को बड़ा स्नान क्षेत्र मिला।

बैरिकेडिंग लगाकर लोगों को स्नान के दौरान होने वाले संभावित खतरे से सचेत किया गया। घाटों पर आरएएफ तैनात रही। गंगा के दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर स्नान क्षेत्र का दायरा बढ़ाया गया ताकि भीड़ एक स्थान पर न रुके। बैरिकेडिंग के बाहर जल पुलिस की नाव और स्टीमर लगे रहे। उन पर पीएसी के जवान और गोताखोरों की टीम तैनात रही।

भीड़ का ज्यादा दबाव हर समय संगम नोज पर रहा। स्नान घाट के करीब कासे पर ही बैठकर लोगों ने घर से लाए गए लड्डू चूरा, सब्जी-पूड़ी का आनंद लिया। स्नान के दौरान मंडलायुक्त, डीएम, अपर पुलिस आयुक्त, मेलाधिकारी, एसपी मेला समेत अन्य अधिकारी भ्रमण शील रहे।

श्रद्धालुओं ने रोक के बाद घाटों पर पूजन-अर्चन कर दीपदान भी किया। डुबकी लगाने वालों ने जल में ही खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य भी दिया। श्रद्धालुओं को घाट किनारे घाटिये नहीं मिले तो संगम नोज और घाटों से थोड़ी दूर जाकर तिलक-चंदन लगवाया। पूजा करने के बाद गोदान का भी संकल्प लिया। अक्षयवट मार्ग के संगम छोर पर पुरोहित गोदान कराते दिखे।

राडा ऑटो एक्सपो 2026 : 50% कम टैक्स का चला जादू, धड़ाधड़ हो रही बिक्री

चार दिनों में बिक गए 7500 वाहन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग द्वारा आरटीओटैक्स में दी जा रही है 50 प्रतिशत की छूट का जादू राडा ऑटो एक्सपो-2026 में देखने को मिल रहा है। राजधानी रायपुर के श्रीराम बिजनेस पार्क में वाहनों की खरीदी के लिए ग्राहकों की हरदिन भारी भीड़ उमड़ रही है। आधा टैक्स होने से ज्यादा छूट काभरपूर लाभ ग्राहक उठा रहे हैं। डीलर्स और कंपनियों के विशेषडिस्काउंट ने फायदा और बढ़ा दिया है। चार दिनों में राडा ऑटोएक्सपो में 7500 वाहनों की बिक्री हो गई है। शुक्रवार को ऑटोएक्सपो में मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारालॉन्च हुई।

हर स्टॉल में पहुंच रहे हैं ग्राहक

एक्सपो में लगे अलग-अलग कंपनियों के स्टॉल में ग्राहकों कीभारी भीड़ उमड़ रही है। स्टॉलों में इतनी अधिक संख्या में ग्राहकपहुंच रहे हैं कि एक्जीक्यूटिव को एक मिनट की फुर्सत नहीं मिलरही है।

हर दिन बढ़ रहे ग्राहक और बढ़ती जा रही है बिक्री

राडा के अध्यक्ष रविंद्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया, कैटके नेशनल वाइस चेयरमैन और राडा के वरिष्ठ पदाधिकारी अमर पारवानी, फाडा के रिसर्च एंड एकेडमी के नेशनल चेयरमैन मनीष राज सिंघानिया, फाडा के पूर्व स्टेट चेयरमैन अनिलअग्रवाल, जयेश पिथालिया, शशांक शाह, फाडा के स्टेटचेयरमैन विवेक गर्ग ने बताया कि हर दिन ग्राहकों की संख्याबढ़ती जा रही है और वाहनों की बिक्री का आंकड़ा भी तेजी से बढ़रहा है।

जल्द करें बुंकिंग और पाएं फेवरेट कलर्स और वेरियंट

राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी का कहना है कि राडा एक्सपो मेंकस्टमर खरीदी के लिए उमड़ रहे हैं और वाहनों की भारी बुकिंग हो रही है। ऐसे में अपने मनपसंद वाहनों के फेवरेट कॅलर्स और वेरियंटके लिए जल्द से जल्द बुकिंग कराए। कहीं देर करने पर फेवरेटकॅलर्स और वेरियंट की कमी ना पड़ जाए।

अम्बेडकर अस्पताल में सीटी एंजियोग्राफी की अत्याधुनिक सुविधा शुरू

- अम्बेडकर अस्पताल में सीटी एंजियोग्राफी की अत्याधुनिक सुविधा शुरू
- हृदय, मस्तिष्क, पेट, फेफड़े व अन्य अंगों की सटीक जांच

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के रेडियोडायग्नोसिस विभाग में अब सीटी एंजियोग्राफी की अत्याधुनिक जांच सुविधा शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी, ब्रेन (सेरेब्रल), एब्डोमिनल, पेरिफेरल एवं पल्मोनरी एंजियोग्राफी जांच की जा रही है, जो नॉन इंवेसिव (Non-invasive) पद्धति पर आधारित है। विगत सप्ताह 29 मरीजों की विभिन्न बीमारियों में सीटी एंजियो जाँच हुई जिससे समय रहते उन्हें उचित उपचार मिला।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार ठोस प्रयास कर रही है। आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में अस्पतालों के उन्नयन, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती और दूरदराज़ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस सुविधा के प्रारंभ होने से हृदय, मस्तिष्क, पेट, हाथ-पैर एवं फेफड़ों से संबंधित गंभीर रोगों के शीघ्र, सटीक एवं विश्वसनीय निदान में मदद मिल रही है।

उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले मरीजों एवं 60 वर्ष से अधिक आयु के मरीजों के लिए सभी जांचें निःशुल्क हैं। वहीं एपीएल श्रेणी के मरीजों के लिए ओपीडी में सीटी स्कैन 1000 एवं एमआरआई 2000 की दर से उपलब्ध है, जबकि भर्ती एपीएल मरीजों को ये जांच सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

रेडियोडायग्नोसिस विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक पात्रे ने बताया कि विभाग में उपलब्ध आधुनिक सीटी स्कैन मशीन एवं प्रेशर इंजेक्टर की सहायता से सभी जांच सेवाएं निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सीटी एंजियोग्राफी की प्रक्रिया कम समय में पूरी हो जाती है, मरीज को असुविधा नहीं होती। इसमें पारंपरिक एंजियोग्राफी की तुलना में रिकवरी टाइम भी कम होता है।

उन्होंने यह भी बताया कि सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी में कैथेटराइजेशन की आवश्यकता नहीं होती, जिससे यह पारंपरिक एंजियोग्राफी की तुलना में अधिक सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक जांच है।

धमतरी नक्सलमुक्त जिला घोषित 9 माओवादियों ने किया सरेंडर

एजेंसी, श्रीनगर

धमतरी जिले में नक्सल विरोधी अभियान को एक बड़ी सफलता मिली है। धमतरी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कुल 9 नक्सलियों ने अपने हथियार सहित आत्मसमर्पण कर दिया। यह कार्रवाई रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा की उपस्थिति में हुई। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

नक्सलियों का गर्मजोशी से स्वागत

आईजी अमरेश मिश्रा ने ताली बजाकर आत्मसमर्पित नक्सलियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति नक्सलियों को नया जीवन शुरू करने का अवसर प्रदान कर रही है, जिसके चलते लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन 9 नक्सलियों पर कुल 47 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें दो महिला नक्सली 8-8 लाख रुपये की इनामी और एक पुरुष नक्सली 5 लाख रुपये का इनामी था। शेष नक्सली भी विभिन्न मामलों में वांछित थे।

भौगोलिक दृष्टि से, आत्मसमर्पण करने वालों में धमतरी-नुआपड़ा क्षेत्र के 5 नक्सली और आंध्र प्रदेश से जुड़े 4 नक्सली शामिल हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों में डिविजनल कमेटी मेंबर सहित कई बड़े कैडर के सदस्य शामिल हैं, जिसे सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वालों में ज्योति उर्फ जैनी, उषा उर्फ बलमा, रामदास उर्फ आयता, रोनी उर्फ उमा, निरंजन उर्फ पोदिया, सिंधु उर्फ सोमडी, रीना उर्फ चिरो, अमाली उर्फ सन्नी और लक्ष्मी पुनेम उर्फ आरती शामिल हैं।

इस आत्मसमर्पण के साथ ही रायपुर संभाग को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। पुलिस और सुरक्षा बलों की निरंतर कार्रवाई तथा सरकार की पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./26201/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 28/11/2025

त्रुटि-सुधार इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 26201
वार्ड का नाम -20-रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802E00484 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. OMPRAKASH MISHRA S/O LATE CHANDRIKA PRASAD MISHRA 2. ANURADHA MISHRA W/O OMPRAKSH MISHRA पिता/पति श्री/श्रीमती N/A के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती TANU SAHASRABUDHE पिता/पति श्री/श्रीमती OMPRAKASH MISHRA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ BATWARA NAMAA/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./27938/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27938
वार्ड का नाम -21- शहीद भगतसिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR813A0619A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJENDRA SINGH SALUJA URF SARDAR RAJINDER पिता/पति श्री/श्रीमती LATE BAHADDUR SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती DILIP ISSRANI पिता/पति श्री/श्रीमती PURAN CHAND ISSRANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./27939/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27939
वार्ड का नाम -21- शहीद भगतसिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR813A0619B जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJENDRA SINGH SALUJA पिता/पति श्री/श्रीमती URF SARDAR RAJINDER (LTE BAHADUR SINGH SALUJA) के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती VARSHA ISSRANI पिता/पति श्री/श्रीमती DILIP ISSRANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./27940/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27940
वार्ड का नाम -21- शहीद भगतसिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR813A0619C जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RAJENDRA SINGH SALUJA URF SARDAR RAJINDER पिता/पति श्री/श्रीमती BAHADUR SINGH SALUJA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती VARSHA ISSRANI पिता/पति श्री/श्रीमती DILIP ISSRANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./27918/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27918
वार्ड का नाम -70- संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568H03448 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती RUKHAMANI DEWANGAN पिता/पति श्री/श्रीमती SONU KUMAR DEWANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती PRANJAL SONI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHRI UMESH KUMAR SONI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01 सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन क्रमांक एल.आई.जी.-44/527 द्वितीय-तल में श्री दिपक कुमार बघेले पिता श्री मदन लाल बघेले को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 21.03.2013 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट / भवन के विक्रय हेतु दिनांक 16.01.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन श्री दीपक गेंदलाल टेंभरे पिता श्री गेंदलाल टेंभरे के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. - 0771-2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कॉलोनी पुरेना, जिला-रायपुर में सामान्य आवास योजनांतर्गत पुरेना जिला- रायपुर में निर्मित ई.डब्ल्यु.एस. फ्लैट क्रमांक 07, ब्लांक-13 प्रथम तल, श्री भागवत प्रसाद चन्द्राकर पिता श्री नारायण लाल चन्द्राकर, के नाम से इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2432 दिनांक 20.04.2009 को आबंटित किया गया है आबंटी द्वारा दिनांक 01.06.2011 को लीजडीड निष्पादित कर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 5677 दिनांक 08.08.2011 को आधिपत्य जारी किया गया है। वर्तमान में आबंटी श्री भागवत प्रसाद चन्द्राकर पिता श्री नारायण लाल चन्द्राकर, पता सुभाष नगर, कुम्हारपारा, महसमुंद जिला महासमुंद (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमति उत्तरा बंजोर पति श्री अमोल बंजारे पता- ई.डब्ल्यु.एस. फ्लैट 13/7 प्रथम तल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पुरैना जिला-रायपुर (छ.ग.) के नाम पर विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट क्रेता श्रीमति उत्तरा बंजारे पति श्री अमोल बंजारे पता ई.डब्ल्यु.एस. फ्लैट 13/7 प्रथम तल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पुरैना जिला- रायपुर (छ.ग.) के नाम पर विक्रय किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्थशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त फ्लैट के विक्रय करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं. / 27880/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 3/2026
रायपुर दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27880
वार्ड का नाम-31- नेताजी सुभाषचंद्र वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR328R00167 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती YASHPAL SINGH पिता/पति श्री/श्रीमती RAKESH SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती अनिता अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती पति अशोक अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सुरजीत नवदीप मंडप में गूंजा साहित्य

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नवा रायपुर में आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव 2026 पूरे उत्साह और साहित्यिक गरिमा के साथ जारी है। उत्सव के अंतर्गत सुरजीत नवदीप मंडप में महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य–पाठ सहित काव्य एवं व्यंग्य के कई सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए 90 से अधिक नवोदित एवं समकालीन रचनाकारों ने सहभागिता की।

रायपुर साहित्य महोत्सव के वृहद आयोजन के अंतर्गत जय जोहार साहित्य–संस्कृति संस्थान, छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान एवं छत्तीसगढ़ मित्र के संयुक्त तत्वावधान में महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य–पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जय जोहार साहित्य–संस्कृति संस्थान की अध्यक्ष डॉ. सीमा निगम द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान की संरक्षक डॉ. रश्मिलता मिश्रा, श्रीमती शशि सुरेंद्र दुबे एवं छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला तरार विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं। मंच संचालन डॉ. सीमा अवस्थी एवं सुमन शर्मा बाजपेयी ने किया।

महिला साहित्यकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक–संस्कृति, नदियों की महिमा, सामाजिक सरोकार, नारी सशक्तिकरण एवं राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस सत्र में विमला माहेश्वरी, भारती यादव मेधा, पूर्वा श्रीवास्तव, पल्लवी झा, नंदिनी लहेज, दिलशाद सैफी, अनिता झा, अनामिका शर्मा 'शशि', प्रमदा ठाकुर, सुषमा प्रेम पटेल, पूर्णिमा तिवारी, शुभ्रा ठाकुर, धरा देवांगन, शकुंतला तिवारी, सीमा पांडेय, डॉ. ज्योति दीवान, डॉ. संध्या रानी शुक्ला, नलिनी बाजपेयी, अंजना भाके 'कनुप्रिया', शशि तिवारी, डॉ. तुलेश्वरी धुरंधर, प्रतिमा बनर्जी, दुर्गा पाठक, आभा श्रीवास्तव, मंजूषा अग्रवाल, कल्याणी तिवारी, प्रीति मिश्रा, चंद्र प्रभा दुबे, चंद्रकला त्रिपाठी, अर्चना जैन, खिलेश गौर सहित अनेक साहित्यकारों ने सहभागिता की। आभार प्रदर्शन डॉ. मृणालिका ओझा ने किया।

उत्सव के अंतर्गत सुरजीत नवदीप मंडप में आयोजित अन्य साहित्यिक सत्रों में सामूहिक काव्य–पाठ एवं व्यंग्य प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। धमतरी से श्री डूमनलाल ध्रुव के नेतृत्व में 15 सदस्यीय दल ने ग्रामीण एवं लोक संवेदनाओं से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत कीं।

रायपुर से श्री राजशेखर चौबे के नेतृत्व में 9 रचनाकारों ने समकालीन विषयों पर व्यंग्यात्मक रचनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि महासमुंद से श्री अशोक शर्मा के नेतृत्व में 12 सदस्यीय समूह ने आंचलिक संस्कृति को स्वर दिया। वहीं रायपुर के श्री आशीष सिंघानिया के 7 सदस्यीय समूह ने युवा सोच और नवीन प्रयोगों से युक्त कविताओं का पाठ किया।

दिनभर चले इन सत्रों में साहित्य प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं की करतल ध्वनि ने रचनाकारों का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों के अनुसार रायपुर साहित्य उत्सव अब एक सांस्कृतिक आयोजन से

के.रि.पु. बल 199 बटालियन बन रहा मानवता की मिशाल

सिविक एक्शन कार्यक्रम व निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

बीजापुर जिले के थाना गंगालुर के अंतर्गत अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र पीडिया में बी/199 बटालियन के.रि.पु.बल कैम्प में श्री बी. एस. नेगी, पुलिस उप महानिरीक्षक बीजापुर रेंज व श्री आनन्द कुमार, कमाण्डेंट 199 बटा0, के मार्गदर्शन में सिविक एक्शन कार्यक्रम व निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के दौरान श्री सुनिल कुमार राही, कमाण्डेंट 85 बटा0 एवं श्री राम स्वरुप जांगिड़, कमाण्डेंट 168 बटा0 उपस्थित थे। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी विकास एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी एवं ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना है।

उपरोक्त कार्यक्रम में पीडिया पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी गाँवों मदुमपारा, पटेलपारा, गायतापारा, इरेनार आदी के ग्रामीणों को साईकल, कंबल, सिंटेक्स, सोलर लालटेन, कपड़े, खाने के लिए स्टील कि प्लेट एवं गिलास व अन्य जरुरतमंद सामग्री वितरित की गई, साथ ही ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित ग्रामीणों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। पीडिया क्षेत्र, अति नक्सल प्रभावित इलाका होने के कारण सड़क, स्वास्थ्य इत्यादि मूलभूत आवश्यकताओ से वंचित रहा था। परन्तु जनवरी 25 से 199 वी वाहिनी के.रि.पु.बल ने आम जन में एक विश्ववास और सूरक्षा की भावना से ओतप्रोत किया है। श्री बी. एस. नेगी, पुलिस उप महानिरीक्षक बीजापुर रेंज व श्री आनन्द कुमार, कमाण्डेंट 199 बटा0 द्वारा ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व और देश की एकता व अखंडता में अपनी भूमिका को लेकर प्रेरक व्याख्यान दिया और कहा कि सी.आर.पी.एफ. सभी ग्राम व निवासियों की सुरक्षा, सम्मान, सहायता एवं सहयोग के लिए हमेशा प्रतिबद्ध एवं प्रयासरत है।

साहित्य के लिए डिजिटल माध्यम चुनौती नहीं, बल्कि अवसर

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 के अंतर्गत 卐आदि से अनादि तक卐 थीम पर आयोजित सत्रों की श्रृंखला में अनिरुद्ध नीरव मंडप में एक विचारोत्तेजक चर्चा सत्र संपन्न हुआ। 卐डिजिटल साहित्य : प्रकाशकों के लिए चुनौती卐 विषय पर केंद्रित इस सत्र में डिजिटल युग में साहित्य प्रकाशन की बदलती प्रकृति, संभावनाओं और चुनौतियों पर गंभीर विमर्श किया गया।

सत्र में प्रभात प्रकाशन, दिल्ली के प्रतिनिधि श्री प्रभात कुमार ने डिजिटल माध्यमों के प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ई–बुक्स, ऑडियो बुक्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने साहित्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाने के नए अवसर प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि डिजिटल परिवर्तन के चलते पारंपरिक प्रकाशन मॉडल को नई

रायपुर साहित्य उत्सव में ओपन माइक से नवीन प्रतिभाओं को मिला सशक्त मंच

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर साहित्य उत्सव के अंतर्गत प्रदेश के लब्ध प्रतिष्ठित कवि पद्मश्री स्वर्गीय सुरेन्द्र दुबे जी को समर्पित ओपन माइक मंच पर पहले दिन चार सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें 75 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मक प्रस्तुतियाँ दीं। इस मंच पर कविता, कहानी, गायन, वादन, सामूहिक नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य जैसी विविध विधाओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

ओपन माइक सत्र में छत्तीसगढ़ के साथ–साथ पड़ोसी राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह विशेष मंच विभिन्न विधाओं के कलाकारों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सुसज्जित किया गया था, जहाँ बाँसुरी, गिटार और वायलिन वादन की प्रस्तुतियों ने वातावरण को संगीतमय बना दिया। नन्ही नृत्यांगनाओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं सरगुजा से लेकर बस्तर तक के युवा कवियों और ग़ज़लकारों ने अपनी सशक्त रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

लेमनग्रास की खेती से बदल रही छोटे किसानों की किस्मत

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी। लेमनग्रास की खेती छोटे किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है, क्योंकि इसमें लागत कम, मुनाफ़ा ज़्यादा है और यह बंजर ज़मीन पर भी होती है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। यह फ़सल कीटों और जंगली जानवरों से सुरक्षित रहती है, एक बार लगाने पर कई सालों तक पैदावार देती है द्य इससे निकलने वाले तेल की बाज़ार में अच्छी कीमत मिलती है, जिसका उपयोग साबुन, परफ्यूम, और हर्बल उत्पादों में होता है, जिससे किसानों की किस्मत बदल रही है। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड गौरेला– पेण्ड्रा–मरवाही जिला अधिकतर वनों से घिरा हुआ क्षेत्र है, जहाँ अधिकांश किसानों के पास कम खेती योग्य भूमि है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं. / 27909/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 3/2026
रायपुर दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27909
वार्ड का नाम-31- नेताजी सुभाषचंद्र वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR328K00493 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MRS. VINAL DAGA पिता/पति श्री/श्रीमती AJIT DAGA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 01. श्रीमती रीना गुप्ता, 02. संजीव कुमार गुप्ता पिता/पति श्री/श्रीमती 01. पति संजीव गुप्ता, 02. पिता स्व. सत्यदेव गुप्ता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 02)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID-rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं. / 27937/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 2/2026
रायपुर दिनांक 23/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27937
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 28 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR225B00076 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MR. RAJKUMAR S/O MR. PRAKASH CHAND, पिता/पति श्री/श्रीमती VIJAYA JAIN W/O MR. RAJKUMAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री धनराज जैन पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. चम्पालाल जैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 02)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID-rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं. / 27919/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 2/2026
रायपुर दिनांक 22/01/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 27919
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 14 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR220F00351 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANPREET KAUR AHLUWALIYA पिता/पति श्री/श्रीमती SARDAR MANINDAR PAL SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती मोहम्मद शाहीद पिता/पति श्री/श्रीमती आत्मज मोहम्मद अकबर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:- जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00070 टिकरापारा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202526440725600137

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00070 के अंतर्गत ग्राम टिकरापारा के वर्तमान भूमिस्वामी रायपुर विकास प्राधिकरण पिता/पति- पता-रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 310/2(0.0040) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता तजिन्दर सिंग बैन्स पिता/पति-स्व. दर्शन सिंग बैन्स पता-पुराना राजेन्द्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 09/02/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/01/2026 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार: Jyoti Singh
मुहर रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:- जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00070 टिकरापारा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD202526440725600149

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00070 के अंतर्गत ग्राम टिकरापारा के वर्तमान भूमिस्वामी शंकरलाल जेठालाल महेश्वरी पिता/पति-स्व. जे. महेश्वरी पता-स्टेट बैंक कालोनी रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 264/7(0.0250) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता संजय शंकरलाल महेश्वरी पिता/पति-स्व. एस.जे. महेश्वरी पता-वल्लभ नगर रायपुर छत्तीसगढ़, संदीप शंकरलाल महेश्वरी पिता/पति-स्व. एस.जे. महेश्वरी पता-वल्लभ नगर रायपुर छत्तीसगढ़, संध्या पारस धीवाला पिता/पति-पारस धीवाला पता-वल्लभ नगर रायपुर छत्तीसगढ़, दुर्गा शंकरलाल महेश्वरी पिता/पति-स्व. एस.जे. महेश्वरी पता-वल्लभनगर रायपुर छत्तीसगढ़ के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/02/2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/01/2026 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार: Jyoti Singh
मुहर रायपुर

शपथ पत्र

मै, संजीव कुमार पाण्डेय पिता श्री हनुमान प्रसाद पाण्डेय निवासी - रविदास भवन के सामने, कमासीपारा, रायपुर छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ:-

1. यह कि, मेरे पिता हनुमान प्रसाद पाण्डेय पिता गुरू पुसाद पाण्डेय का स्वर्गवास दिनांक 04.09.1999 को हो गया है। जिनका मृत्यु प्रमाणपत्र विभाग से ऑफ लाईन प्राप्तकर लिया हूँ, जिसका पंजीयन नंबर 94/99 दिनांक 23.10.1999 है जो कि सही है।

2. यह कि, मेरे पिता की ऑफलाईन मृत्यु प्रमाण पत्र को ऑनलाईन कराना चाहता हूँ इस संबंध में विभाग का जो भो नियम, शर्त होगी मुझे मान्य है ।

3. यह कि, मैने पिता के ऑफलाईन मृत्यु प्रमाण पत्र को ऑनलाईन किये जाने हेतु सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

सत्यापन :-

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र की कंडिका-1 से 5 में लिखी बाते सत्य है, अतः मैं अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया।

शपथकर्ता
संजीव कुमार पाण्डेय

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग महासमुन्द

मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 26 (प्रथम बार)

क्रमांक / 26 / निविदा/ग्रा.यां.से. /2025-26
महासमुन्द दिनांक 21/01/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैन्युअल निविदा आमत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू.)
1	2	3
1	वि.ख. महासमुन्द अन्तर्गत शासकीय रेशम केन्द्र बेलसोण्डा में मलबरी भवन निर्माण कार्य (कृमि पालन केन्द्र) विद्युतीकरण सहित	18.71 लाख
2	वि.ख. बागबाहरा अन्तर्गत शासकीय रेशम केन्द्र पचेडा में मलबरी भवन निर्माण कार्य (कृमि पालन केन्द्र) विद्युतीकरण सहित	18.71 लाख
3	वि.ख. बागबाहरा अन्तर्गत शासकीय रेशम केन्द्र खोपली का जीर्णोद्वार कार्य	3.95 लाख

(टीप :- उपरोक्त कार्यों के निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 04/02/2026)

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारियों विभागीय वेबसाईड https://res.cg.gov.in में दिनांक 21/01/2026 से डाउनलोड की जा सकती है।

G-252606241/3
कार्यपालक अभियंता

नालंदा फेज -2 परिसर भूमिपूजन आज कवरेज हेतु मीडिया प्रतिनिधियों को आमंत्रण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शुक्रवार को अपरान्ह 3 बजे राजधानी शहर रायपुर के ई मार्ग में एन आई टी के सामने नालंदा फेज – 2 परिसर का भूमिपूजन कार्यक्रम प्रदेश के उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग माननीय अरुण साव जी के करकमलों से, माननीय मंत्रीगणों, माननीय सांसद, माननीय विधायकगणों, माननीया महापौर, सभापति महोदय, वार्ड पार्षदों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया है. कार्यक्रम के कवरेज हेतु प्रिंट / इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सम्माननीय प्रतिनिधिगण ससम्मान सादर आमंत्रित हैँ

नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती पर छात्र रैली निकाली, ध्वजारोहण एवं पुष्पांजलि आयोजन रखा

छात्र रैली में नन्हें मुन्ने विद्यार्थी बच्चों ने भारत माता की जय, जयहिन्द, वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाकर समा बांधा 0

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग ने नगर निगम जोन 2 और 4 के सहयोग से और छत्तीसगढ़ युवा सेवा संगठन रायपुर के पदाधिकारियों की सहभागिता से राजधानी शहर रायपुर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर स्कूली छात्र छात्राओ की रैली जयस्तंभ चौक से शारदा चौक, एमजी रोड, गुरूनानक चौक, स्टेशन रोड, नेताजी प्रतिमा स्थल तक निकाली। साथ ही स्टेशन चौक प्रतिमा स्थल पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस को नमन करने जयंती पर पुष्पांजलि आयोजन रखा गया और वहां प्रतिमा स्थल के समक्ष पारंपरिक ध्वजा रोहण किया गया।

देशबंधु इंग्लिश स्कूल के नन्हें मुन्ने विद्यार्थियो सहित निवेदिता कन्या शाला, गंज स्कूल एवं अन्य शासकीय स्कूलो के उच्चतर माध्यमिक शालाओ के विद्यार्थियों ने सुबह छात्र रैली निकाली नन्हें मुन्ने विद्यार्थियो ने छात्र रैली के दौरान भारत माता की

जय, जय हिन्द, वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाकर समा बांध दिया।

जयस्तंभ चौक में नेताजी के छात्र चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल, छत्तीसगढ़ युवा सेवा संगठन रायपुर के अध्यक्ष सोनू शर्मा जसमीत, पदाधिकारी गिरीश दुबे, किशोर आहूजा, रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने सादर नमन किया। स्टेशन चौक प्रतिमा स्थल पर नेताजी जयंती पर छात्र रैली का आत्मीय स्वागत छत्तीसगढ़ राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, पूर्व पार्षद मिलिंद गौतम, रमेश आहूजा की उपस्थिति में नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल ने किया। छत्तीसगढ़ युवा सेवा संगठन रायपुर के अध्यक्ष सोनू शर्मा ने नेताजी सुभाष प्रतिमा स्टेशन चौक के सौंदर्याकरण की मांग का महापौर श्रीमती मीनल चौबे के नाम लिखित ज्ञापन मांग पत्र संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल, लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल को सौपा।

छ.ग. राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा ने कहा कि स्टेशन चौक नेताजी प्रतिमा में लगातार कार्यकम करवाने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी कन्हैयालाल बाजारी और पन्ना लाल पंड्या की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। स्व. गोविंद शर्मा पम्मी ने यहां आयोजन वृहद रखने लगातार सकिय प्रयास किया। सभी बच्चो और युवाओ को सुरक्षित भविष्य और विकसित देश निर्माण करने के लिए नेताजी सुभाष की जीवनी को पढ़कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने नेताजी प्रतिमा स्थल स्टेशन चौक पर लगातार आयोजन व्यापक स्तर पर रखने छत्तीसगढ़ युवा सेवा संगठन एवं नगर निगम रायपुर को सराहा। उन्होने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पन्ना लाल पंड्या के इसमें अद्वितीय योगदान के बाद उनके सुपुत्र धर्मेन्द्र पंड्या ने इस कार्य को सक्रियता से जारी रखा है। उन्होने नेताजी के मार्ग पर चलकर देश में अपना योगदान देने का आव्हान बच्चो से किया। संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल, रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, पूर्व पार्षद रमेश आहूजा ने अपने विचार मंच से रखे। कार्यक्रम संचालन छत्तीसगढ़ युवा सेवा संगठन के किशोर आहूजा और अंत में आभार प्रदर्शन संगठन के बाजारी ने किया।

गणतंत्र दिवस रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में मास-मटन विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में गणतंत्र दिवस दिनाक 26 जनवरी 2026 और महात्मा गांधी निर्वाण दिवस दिनांक 30 जनवरी 2026 को मास मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।

इस सबंध में छत्तीसगढ शासन के नगरीय प्रशासन एव विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग ने गणतंत्र दिवस दिनाक 26 जनवरी 2026 और महात्मा गांधी निर्वाण दिवस दिनांक 30 जनवरी 2026 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुका गृह एवं समस्त मास मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। गणतंत्र दिवस दिनांक 26 जनवरी 2026 और महात्मा गांधी निर्वाण दिवस दिनाक 30 जनवरी 2026 को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मास मटन के विक्रय पर प्रतिबन्ध के आदेश का व्यवहारिक पालन सुनिश्चित करवाएंगे और इस हेतु अपने अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में मास मटन की दुकानों का सतत निरन्तर पर्यवेक्षण करेंगे।

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर प्रतिबंध आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने होटलों में उक्त पावन पर्व दिवसों पर मांस-मटन विक्रय करने पर जप्ती की कार्यवाही कर सम्बंधित व्यक्ति के विरुद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जाएगी।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जयन्ती पर प्रतिमा स्थल पर महापौर मीनल ने किया सादर नमन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयन्ती पर नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन 3 के सहयोग से राजधानी शहर के तेलीबाँधा चौक के किनारे स्थित प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर नेताजी सुभाश्चन्द्र बोस को जयन्ती पर सादर नमन करते हुए उन्हें समस्त राजधानीवासियों की ओर से आदरांजलि अर्पित की. इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल, पार्षद प्रदीप वर्मा, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, महिलाओं, आमजनों ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को जयन्ती पर सादर नमन किया.

औद्योगिक हादसे पर सख्त कार्रवाई रियल इस्पात एंड एनर्जी का किल्न क्रमांक-01 सील

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के अंतर्गत ग्राम धौराभाठा स्थित मेसर्स रियल इस्पात एण्ड एनर्जी प्रा. लि. के कारखाना परिसर में घटित भीषण औद्योगिक दुर्घटना के मामले में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर सख्त कदम उठाया गया है। दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर कारखाना अधिनियम के तहत किल्न क्रमांक-01 के संचालन एवं मेंटेनेंस सहित समस्त कार्यों पर तत्काल प्रतिबंध लगाए जाने का आदेश जारी किया गया है। कार्यालय सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 22 जनवरी 2026 को प्रातः लगभग 9.40 बजे किल्न क्रमांक-01 के डस्ट सेटलिंग चेंबर के द्वितीय तल में कार्य के दौरान अचानक विस्फोट एवं गर्म ऐश की बौछार होने से 6 श्रमिकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जब कि 5 श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय डस्ट सेटलिंग चेंबर के भीतर लगभग 850 से 900 डिग्री सेल्सियस तापमान की गर्म ऐश को पोकिंग के माध्यम से नीचे गिराया जा रहा था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, बलौदाबाजार द्वारा उप संचालकों एवं अधिकारियों की संयुक्त टीम के साथ कारखाने का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुर्घटनास्थल की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई ।इस दौरान कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कारखाना प्रबंधन द्वारा एसओपी का पालन नहीं किया गया। किल्न का शटडाउन किए बिना श्रमिकों से अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थिति में कार्य कराया गया। डस्ट सेटलिंग चेंबर के हाईड्रोलिक स्लाइड गेट को बंद नहीं किया गया, उचित वर्क परमिट जारी नहीं किया गया, नियमित रखरखाव का अभाव रहा तथा श्रमिकों को आवश्यक सुरक्षा प्रशिक्षण, पर्यवेक्षण और हीट रेसिस्टेंट एप्रन, सुरक्षा जूते, हेलमेट जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए।

किल्न क्रमांक-01 में विनिर्माण प्रक्रिया एवं मेंटेनेंस कार्य इमिनेंट डेंजर की स्थिति में थे। जिसके चलते कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 40(2) के अंतर्गत किल्न क्रमांक-01 के संचालन एवं समस्त मेंटेनेंस कार्यों पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध तब तक प्रभावशील रहेगा, जब तक कारखाना प्रबंधन द्वारा सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते।आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रतिबंधात्मक अवधि के दौरान कारखाने में नियोजित समस्त श्रमिकों को देय वेतन एवं अन्य भत्तों का भुगतान निर्धारित तिथि में अनिवार्य रूप से किया जाए।घटना की गंभीरता को देखते हुए सहायक संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, बलौदाबाजार द्वारा उप संचालकों एवं अधिकारियों की संयुक्त टीम के साथ कारखाने का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुर्घटनास्थल की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई ।इस दौरान कारखाना प्रबंधन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि कारखाना प्रबंधन गया। किल्न का शटडाउन किए बिना में कार्य कराया गया। डस्ट सेटलिंग चेंबर के हाईड्रोलिक स्लाइड गेट को बंद नहीं किया गया, उचित वर्क परमिट जारी नहीं किया गया।

15 व्यवसायिक परिसरों को तत्काल ताला लगाकर किया गया सीलबंद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व श्रीमती कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा और जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के नेतृत्व और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वखगेंद्र सोनी, राम कुमार अवसर, चंदन रगड़े की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग टीम द्वारा जोन 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 अंतर्गत 15 बडे बकायादारो द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर निगम द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने पर अभियान चलाकर संबंधित बड़े बकायादारो के 15 व्यवसायिक परिसरो को

तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कडी कार्यवाही की गई है।जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल एवं सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल ने बताया कि आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग द्वारा पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 अंतर्गत 4 लाख 95 हजार 936 रूपये के बड़े बकायादार रामानंद अग्रवाल , 66007 रूपये के बड़े बकायादार सीमा सिंग, 133361 रूपये के बड़े बकायादार शिव कुमार अग्रवाल द्वारा बकाया राशि अदा नहीं करने पर उनके व्यवसायिक परिसर को तत्काल सीलबंद करने कार्यवाही की गयी. वहीं 108726 रूपये के बड़े बकायादार प्रकाश चंद्राकर, घनश्याम चंद्राकर द्वारा सीलबंदी के दौरान अपना सम्पूर्ण बकाया तीन दिन में नगर निगम को अदा कर देने के आश्वासन पर सीलबंदी की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी.

वहीं जोन अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 अंतर्गत 523112 रू. के बकायेदार प्रितम सिंग जीत सिंग, 223160 रू. के बकायेदार अशोक कुमार, विजय कुमार, विनोद कुमार नवानी, 446911 रू. के बकायेदार हरवंश सिंग, महेन्द्र सिंग, सुरजीत कौर वगैरह, 181723 रू. के बकायेदार राहुल धारीवाल, रू. 139493 के बकायेदार आदिल खान, 438529 रू. के बकायेदार प्रमोद अग्रवाल , 132278 रूपये के बकायादार ओमप्रकाश तिवारी, 116072 रूपये के बकायादार सुरेन्दर सिंग, गुरविंदर सिंग, 218076 रूपये के बकायादार राजेश चंद्राकर, 112090 रूपये के बकायादार लीलावती देवी सिंग,55749 रूपये के बकायादार रूपये के बड़े बकायादार सुकदेव सिंग के संबंधित व्यवसायिक परिसर में तत्काल ताला लगाकर सीलबंदी की कार्यवाही बकाया राशि नगर निगम को अदा नहीं करने पर की गई ।

दल्लीराजहरा प्रवास पर छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा का हुआ आत्मीय स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दल्लीराजहरा प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा के नगर आगमन पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। यह स्वागत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सक्रिय युवा स्वाधीन जैन के नेतृत्व में किया गया।

नगर प्रवेश द्वार पर अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों, युवाओं एवं नागरिकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अध्यक्ष का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लाल निवेंद्र टेकाम, प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा गगनदीप सिंह, प्रदेश मंत्री अकबर तिगाला, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश दसोड़े, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वाधीन जैन एवं जयदीप गुप्ता, जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा समीर खान, अनाज किराना व्यापारी संघ अध्यक्ष कैलाश छाजेड़, वरिष्ठ व्यापारी झुमरमल छाजेड़, राजहरा परिवहन संघ के कोषाध्यक्ष अशोक लोहिया, पार्षद विशाल मोटवानी एवं वीरेंद्र साहू, पूर्व कोषाध्यक्ष रमेश जैन, मीडिया प्रभारी आशीष लालवानी, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील झा, पूर्व जिला अध्यक्ष कासिम कुरैशी, पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी अनुसूचित जनजाति मोर्चा हितेश कुमार डोंगरे सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, व्यापारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अध्यक्ष ने सभी साथियों द्वारा किए गए स्नेहपूर्ण स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया तथा अल्पसंख्यक समाज के कल्याण, उत्थान एवं विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की बात कही।

कलाकृतियों की पानी से धुलाई कर विशेष सफाई करके धुलमुक्त कर जनशिकायत का किया त्वरित निदान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 7 को प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिये गये आदेशानुसार एवं जोन 7 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देशानुसार कार्यपालन अभियंता ईश्वरलाल टावरे के मार्ग निर्देशन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू की उपस्थिति में जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत जीई रोड में महावीर पार्क अनुपम गार्डन निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग ने जनशिकायत मिलते ही कारगिल युद्ध स्मारक ओर विजयंत टैंक सहित पुरानी नेकी की दीवार पर बनी कलाकृतियों की पानी से धुलाई कर विशेष सफाई करके धुलमुक्त कर जनशिकायत का किया त्वरित निदान

के समीप आयुर्वेदिक कालेज गेट से लगकर विजयंत टैंक और कारगिल युद्ध स्मारक सहित पुरानी नेकी की दीवार पर बनी कलाकृतियों की विशेष टीम भेजकर पानी से धुलाई करके धुल हटाकर धुल मुक्त करते हुए विशेष सफाई करवायी एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया।।

सुधार कार्य निगम जलविभाग ने पूर्ण कर जलागार में जल भराव प्रारम्भ किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वगत दिवस रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के जोन कमांक 1 क्षेत्र अंतर्गत गोगाव जलागार को भरने वाली राईजिगमेन पाईप लाईन प्रिंस ढाबा के समीप नाला कासिंग पर अचानक क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस बात की जानकारी मिलते ही नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जल कार्य विभाग अध्यक्ष श्री संतोष सीमा साहू, आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जल कार्य विभाग के फिल्टरप्लांट की टीम तत्काल कार्यपालन अभियता फिल्टर प्लांट श्री नरसिंग फरेन्द्र के मार्गनिर्देशन में स्थल पर पहुंची एवं तत्काल पेयजल आपूर्ति रोककर आवश्यक सुधार कार्य स्थल पर प्रारंभ कर दिया था, उक्त सुधार कार्य पूर्ण कर लिया गया है और आज संध्या 6 बजे तक क्षतिग्रस्त राइजिंग मैन पाईप लाईन को बदलकर गोगांव जलागार में जल का भराव प्रारम्भ कर दिया गया है और कल दिनांक 23 जनवरी 2026 को सुबह से गोगांव जलागार से नियमित पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ हो जाएगी। राईजिगमेन पाईप लाईन में अचानक आयी क्षति के कारण अत्यावश्यक सुधार हेतु नये राईजिंगमेन पाईप लाईन डालने का कार्य किया गया है। इस अत्यावश्यक सुधार कार्य के दौरान विगत दिवस दिनाक 21 जनवरी 2026 बुधवार को नियमित होने वाली संध्याकालीन जलापूर्ति और आज दिनाक 22 जनवरी गुरूवार को प्रातः कालीन एव सध्याकालीन होने वाली नियमित जल आपूर्ति गोगाव जलागार से संबधित क्षेत्र एवं वार्डो के रहवासियों को नहीं की जा सकी।

पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाये रखने के जल कार्य विभाग अध्यक्ष सीमा साहू के निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में नगर निगम जल कार्य विभाग की सलाहकार समिति की बैठक जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू की अध्यक्षता और सदस्य पार्षद सर्वप्रदीप वर्मा, आनंद अग्रवाल, रमेश सपहा सहित कार्यपालन अभियंता जल नर सिंग फरेन्द्र, नगर निगम मुख्यालय जल कार्य विभाग सहित समस्त जोनों के जल कार्य विभाग के उप अभियंतागणों की उपस्थिति में हुई बैठक में जलसंकट ग्रस्त क्षेत्रों में पाइप लाइन विस्तार, डैमेज/लीकेज पाइप लाइन का मरम्मत कार्य उपरांत कांक्रिटिंग कार्य, नालियों से गुजर रही पाइप लाइनों की शिफ्टिंग का कार्य, बोरवेल/पावरपंप का ट्रीटमेंट, सींटेक्स तथा वाटर टैंक की सफाई आदि विषयों पर चर्चा हुई नगर निगम जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू ने जल विभाग अधिकारियों को गर्मी के दौरान राजधानी शहर रायपुर की पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाये रखने के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए।

सम्पादकीय

संघीय ढांचे पर आंच

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है। दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध्यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने-सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है। लेकिन किसी भी स्थिति में जब राज्यपाल और राज्य सरकारें विपरीत उद्देश्यों के लिये काम करने लगते हैं, तो शासन की गुणवत्ता का प्रभावित होना स्वाभाविक ही है।

बालिका विकास के बन्द दरवाजे खोलने का समय

आजादी के अमृत काल में भारत स्वयं को एक नए आत्मविश्वास, नई आकांक्षाओं और नए संकल्पों के साथ गढ़ रहा है। इस परिवर्तनशील भारत की सबसे मजबूत आधारशिला यदि कोई है, तो वह है-बालिका। राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है कि आज हमारी बालिकाएं किस दशा में हैं, किस दिशा में बढ़ रही हैं और समाज उनके लिए कैसा भविष्य रच रहा है। यह भी प्रश्न है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहां बालिका जन्म से ही बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता मानी जाए। दोनों हाथ एक साथ को चरितार्थ करते हुए पुरुष एवं नारी दोनों की शक्ति से नया भारत निर्मित हो।

ललित गर्ग

राष्ट्रीय बालिका दिवस बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के लिए जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने का दिन है, जिसकी शुरुआत 2008 में हुई; जिसके माध्यम से बालिकाओं की तस्वीर बदल रही है, जहाँ अब वे शिक्षा, खेल और नेतृत्व में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या और कुपोषण जैसी चुनौतियां अभी भी हैं, जिन्हें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं और कानूनों से दूर करने का प्रयास जारी है, जिससे वे समाज का गौरव और प्रगति का चेहरा बन सकें। इस दिवस का उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना, लैंगिक भेदभाव को कम करना, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर जोर देना है। बालिकाएं अब विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा और नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। समाज में बेटियों के प्रति सोच में बदलाव आया है। कानूनी उपाय जैसे बाल विवाह निषेध अधिनियम, पोस्को अधिनियम और सरकारी योजनाएं जैसे मिशन वात्सल्य, पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन आदि बालिकाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं। इन सबके बावजूद आज भी बालिकाएं शोषण एवं भेदभाव का शिकार है। बालिका लिंगानुपात में भले ही सुधार हुआ है, लेकिन बाल विवाह और कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथाएँ अभी भी मौजूद हैं। बालिकाओं में एनीमिया और कम वजन जैसी पोषण संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। पितृसत्तात्मक मानसिकता को खत्म करने और बालिकाओं को समान अवसर देने की आवश्यकता है। पिछले कुछ दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ी है, खेल, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति और उद्यमिता में बालिकाओं और महिलाओं ने असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज ग्रामीण भारत की बेटियां भी अंतरिक्ष विज्ञान, स्टार्टअप, सेना और सिविल सेवाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह परिवर्तन संकेत देता है कि आजादी के अमृत काल में महिलाओं और बालिकाओं की भूमिका केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकारी होगी और यही राष्ट्र के सर्वोच्च शिखर की ओर ले जाने वाली शक्ति बनेगी। लेकिन इस उजली तस्वीर के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। आज भी बालिकाओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराध, शोषण, यौन हिंसा, घरेलू अत्याचार, बाल विवाह और साइबर उत्पीड़न जैसी घटनाएं समाज की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। बलात्कार और हिंसा की घटनाएं केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक मानसिकता की विफलता का परिणाम हैं। जब एक बच्ची की सुरक्षा घर, स्कूल, सड़क और डिजिटल दुनिया-कहीं भी सुनिश्चित नहीं होती, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास के दावे अधूरे हैं।

नए भारत, विकसित भारत और समता-मूलक भारत की परिकल्पना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का केंद्रबिंदु नारी-शक्ति और विशेषकर बालिकाओं का सशक्तिकरण है। उनका दृष्टिकोण केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता के रूपांतरण का आह्वान करता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं ने बालिका को बोझ नहीं, बल्कि राष्ट्र की पूंजी के रूप में देखने की दृष्टि विकसित की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने बालिकाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोले हैं। प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट संदेश है कि जब तक बालिका शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर नहीं होगी, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा रहेगा। उनकी व्यापक सोच बालिका को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं, बल्कि नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय सहभागी मानती है। यही कारण है कि आज की बालिकाएं आत्मविश्वास के साथ विज्ञान, खेल, प्रशासन और उद्यमिता में आगे बढ़ रही हैं और आने वाला भारत नारी-शक्ति के नेतृत्व में संतुलित, समतामूलक और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरता दिखाई देता है। समस्या की जड़ केवल अपराधी नहीं, बल्कि वह सोच है जो बालिका को कमजोर, पराधीन और सहनशील मानती है। यह सोच परिवार से शुरू होकर समाज और संस्थानों तक फैलती है। बेटा-बेटी में भेद, आज भी कई घरों में संसाधनों, अवसरों और स्वतंत्रता के वितरण में दिखाई देता है। बालिकाओं को 'संस्कार' के नाम पर चुप रहना सिखाया जाता है, जबकि बालकों को अधिकार और स्वच्छंदता। यही असमान सामाजिक प्रशिक्षण आगे चलकर हिंसा और शोषण को जन्म देता है। आज जरूरत है एक नए सामाजिक दृष्टिकोण की-ऐसे दृष्टिकोण की, जिसमें अपराध के बाद की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि अपराध से पहले की रोकथाम केंद्र में हो। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं पर हो रहे अत्याचार केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक पराजय हैं। कानून सख्त हों, यह आवश्यक है, पर उससे भी अधिक आवश्यक है सामाजिक चेतना का परिवर्तन। जब तक हम पीड़िता से प्रश्न पूछते रहेंगे, उसके कपड़े, उसका समय, उसकी स्वतंत्रता-तब तक अपराधियों का मनोबल टूटेगा नहीं। इसी के साथ बालिकाओं और महिलाओं को भी अपनी सोच को नए सिरे से गढ़ना होगा। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक नहीं, मानसिक और वैचारिक भी होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। बालिकाओं को यह सिखाना होगा कि वे अपने अधिकारों को पहचानें, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं और स्वयं को किसी भी रूप में कमतर न मानें। आज की बालिका को 'सहनशील' नहीं, 'सजग और सशक्त' बनाना समय की मांग है।

शासन और प्रशासन की भूमिका भी इस परिवर्तन में निर्णायक है। योजनाएं तभी प्रभावी होंगी, जब वे जमीनी स्तर तक पहुंचें और उनका क्रियान्वयन संवेदनशीलता के साथ हो। पुलिस, न्यायपालिका, शिक्षा तंत्र और स्वास्थ्य व्यवस्था-सभी में जेंडर संवेदनशीलता को अनिवार्य बनाना होगा। फास्ट ट्रैक न्याय, पीड़िता केंद्रित प्रक्रियाएं और मानसिक परामर्श जैसी व्यवस्थाएं केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन उत्पीड़न से निपटने के लिए भी विशेष रणनीति आवश्यक है। साथ ही, पुरुषों और बालकों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लैंगिक समानता केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। बालकों को बचपन से ही सम्मान, सह-अस्तित्व और समानता के मूल्य सिखाने होंगे। जब पुरुष स्वयं को 'रक्षक' नहीं, बल्कि 'सहयात्री' मानेंगे, तभी समाज में वास्तविक संतुलन आएगा। पितृसत्ता की जड़ें तभी कमजोर होंगी, जब परिवार में पिता और मां दोनों समान रूप से बालिका की क्षमताओं पर विश्वास करेंगे। आजादी के अमृत काल में भारत जिस 'विकसित राष्ट्र' की परिकल्पना कर रहा है, वह तब तक पूर्ण नहीं हो सकती, जब तक उसकी आधी आबादी भय, भेदभाव और असुरक्षा में जीती रहे। बालिका केवल भविष्य की नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान की निर्माता है।

मुख्यधारा के विकास से जुड़तीं महिलाएं, माइक्रोफाइनेंस ने शिक्षा, स्वास्थ्य और बचत को भी बढ़ावा दिया

डॉ. आलोक मिश्रा।

संप्रति महिलाओं के माध्यम से एक प्रभावी आर्थिक क्रांति आकार ले रही है। लाखों महिलाएं सिलाई, खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, स्थानीय व्यापार और हस्तशिल्प जैसे छोटे, अनौपचारिक उद्यमों से अपनी आजीविका चला रही हैं। यह उनका पहला स्थायी और स्वतंत्र आय का स्रोत बनता है। इस परिवर्तन में माइक्रोफाइनेंस ने एक निर्णायक भूमिका निभाई है। बिना गारंटी वाले ये छोटे कर्ज, जो घर की दहलीज पर ही आसान किस्तों पर उपलब्ध हैं, महिलाओं की आजीविका और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, परिवार की आय को सुदृढ़ करने और अर्थव्यवस्था में सक्रिय भागीदारी करने में सक्षम बनाते हैं। इन महिलाओं के लिए माइक्रोफाइनेंस केवल वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि सम्मानजनक आजीविका का माध्यम और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने वाली एक जीवनरेखा बनकर उभरा है। एक ऐसे दौर में जब तमाम प्रयासों के बीच ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में पारंपरिक बैंकों की पहुंच अब भी कुछ अपेक्षाकृत रूप से सीमित है, तब इस स्थिति में माइक्रोफाइनेंस एक वरदान बनकर उभरा है। आज माइक्रोफाइनेंस भारत के दूर-दराज वाले इलाकों तक गहराई से अपनी पैठ बना चुका है। यह देश के 720 जिलों में लगभग 7.5 करोड़ ऐसे लोगों को अपनी वित्तीय सेवाओं का लाभ दे रहा है, जिस तबके के लोगों की आय कम है। इनमें देश के 112 आकांक्षी जिले भी शामिल हैं। इन लाभार्थियों में लगभग 100 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनके लिए माइक्रोफाइनेंस औपचारिक ऋण प्रणाली से जुड़ाव की पहली कड़ी बन गई है। इसने आर्थिक पिरामिड के सबसे निचले स्तर तक औपचारिक वित्त को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दृष्टि से यह कहना उचित होगा कि माइक्रोफाइनेंस वित्तीय समावेशन का सशक्त स्तंभ बनकर उभरा है। माइक्रोफाइनेंस के माध्यम से ऋण प्राप्त करने वाले अधिकांश लोग पहली पीढ़ी के उद्यमी होते हैं, जिनके व्यवसाय समय के साथ धीरे-धीरे विकसित होते हैं। प्रारंभिक ऋण जोकि ?30,000 से ?50,000 के बीच होता है, उसका उपयोग बुनियादी उपकरण खरीदने में किया जाता है। अगले चरण के ऋण चक्र आय के स्रोतों में विविधता और उत्पादन विस्तार को संभव बनाते हैं। तयशुदा किस्तें वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देती हैं और नियमित आय परिवारों को अस्थायी मजदूरी की अनिश्चितता से बाहर निकालने में सहायक होती है। यह परिवर्तन केवल अनुभवजन्य नहीं, बल्कि संरचनात्मक भी है।

वर्ष 2021 में एनसीएईआर के एक अध्ययन के अनुसार माइक्रोफाइनेंस का भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान कुल सकल मूल्य वर्धन का लगभग 2.03 प्रतिशत है और यह लगभग 1.30 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करने में सहायक बना है। इससे स्पष्ट है कि माइक्रोफाइनेंस आज वर्तमान भारत की आर्थिक संरचना का एक महत्वपूर्ण घटक बन चुका है। माइक्रोफाइनेंस परिदृश्य पर आरबीआइ द्वारा विनियमित संस्थाएं सख्त दिशानिर्देशों, फेयर प्रैक्टिसेज कोड और उद्योग की आचार संहिता के तहत जिम्मेदार ऋण प्रथाओं का पालन करती हैं, जिससे महिला उधारकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

आरबीआई के अनुसार किसी उधारकर्ता की कुल माइक्रोफाइनेंस ऋण चुकौती उसकी घरेलू आय के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इसके साथ ही आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त स्व-नियामक संगठन माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क यानी एमएफआइएन द्वारा निर्धारित प्रविधान भी लागू होते हैं।

इसमें उधार की सीमा को निर्धारित कर ऋण जोखिम को कम किया जाता है। इसके साथ ही त्रिस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली भी मौजूद है, जिसमें एमएफआइएन दूसरे स्तर की व्यवस्था को चौबीसों घंटे संचालित करता है। ये सभी सुरक्षा प्रविधान जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं। उधारकर्ताओं की रक्षा करते हैं और समग्र सेक्टर की दीर्घकालिक स्थिरता को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके बावजूद अपने प्रमाणित प्रभाव के बावजूद माइक्रोफाइनेंस सेक्टर इस समय गंभीर नकदी संकट से जूझ रहा है। इसके कारण करीब 50 लाख जरूरतमंद औपचारिक ऋण व्यवस्था से बाहर हो गए हैं।

नियामकीय दुविधा : घोटालों पर लगाम या भारतीय पूंजी बाजारों का दम घोंटना?

अनंत नारायण।

हर नियामक को एक अंतर्निहित तनाव का सामना करना पड़ता है। अगर वे नरमी से काम करें तो घोटालों का जोखिम होता है और अगर कठोरता बरतें तो वैध कारोबार का दम घुटता है। एक प्रतिभूति नियामक को इस तनाव को संभालते हुए तीन अलग-अलग लक्ष्यों को हासिल करना होता है। पहला लक्ष्य है निवेशक संरक्षण। बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और छेड़छाड़ बाजारों पर भरोसे को हिला सकती है। जब नियामक ऐसे गलत आचरण को रोकने या उसके विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहते हैं तो वे पहली श्रेणी की गलती करते हैं। ये गलतियां सुर्खियां बनती हैं और निवेशक दूरी बनाते हैं। इससे भरोसा डगमगाता है और आखिरकार पूंजी निर्माण पर असर होता है। दूसरा लक्ष्य है यह सुनिश्चित करना कि नियम-कायदे ईमानदार उद्यमों को दंडित न करें। जो नियम बोझिल, असंगत या जटिल होते हैं, वे लागत बढ़ाते हैं, नए लोगों के आने को हतोत्साहित करते हैं और नवाचार को दबा देते हैं। ये दूसरी श्रेणी की त्रुटियां हैं। इनके द्वारा होने वाला नुकसान छिपा हुआ होता है यानी पहली श्रेणी की गलतियों के विपरीत ये शायद ही कभी सुर्खियां बनाते हैं। इसके बजाय, ये इस रूप में सामने आते हैं कि 'वे व्यवसाय जो कभी शुरू ही नहीं हो पाए' या 'वह पूंजी जो कहीं और चली गई।' तीसरा लक्ष्य है कार्यक्षमता में सुधार करना और व्यवस्थागत जोखिम को कम करना। शेयरों का डीमैटेरियलाइजेशन और तेज निपटान चक्र जैसी पहल इसके उदाहरण हैं। ये दीर्घकालिक रूप से व्यवस्थागत लाभ प्रदान करती हैं, लेकिन इन्हें मौजूदा प्रतिभागियों से प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। इन लक्ष्यों को पाकर ही पूंजी बाजार का प्रभावी नियमन किया जा सकता है। ऐसा दृष्टिकोण जैसे कि तब ज्यादा सावधानी बरतना जब छोटे निवेशक अत्यधिक उत्साहित हों, पूंजी बाजार के कुछ हिस्सों में आवश्यक हो सकता है। उस लिहाज से देखें तो वैश्विक अनिश्चितता और बढ़ती खुदरा भागीदारी कम नियमन और अधिक नियमन दोनों के लिए जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में सही संतुलन कायम करना जरूरी है।

भारत के पूंजी बाजारों के पास जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ है। हमारी डिजिटल अधोसंरचनाएं, निपटान प्रक्रियाएं और बाजार वैश्विक मानक स्थापित करते हैं। पिछले पांच वर्षों में व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या तीन गुना हो गई है, जो घरेलू बचत के निरंतर वितीयकरण को उजागर करती है। इस संदर्भ में, किसी भी व्यापक नियमन को खत्म करने की मांग को सावधानी से देखा जाना चाहिए। उदाहरण के लिए हमारे पूंजी बाजार, हमारे विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में अलग स्थिति में हैं।

प्रवर्तन की सीमाएं : एक सामान्य लेकिन सरल सुझाव यह है कि नियामकों को नए नियम बनाना बंद कर देना चाहिए और केवल लक्षित बदलावों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह तर्कसंगत लगता है, लेकिन इसकी व्यावहारिक सीमाएं हैं। तेजी से विकसित हो रहे बाजारों में कदाचार का पता लगाना सीमित नियामक संसाधनों के साथ कठिन हो सकता है। इसके अलावा, जब उल्लंघनों की पहचान हो भी जाती है, तो अच्छी तरह से धनसंपन्न प्रतिवादी तकनीकी और प्रक्रियात्मक चुनौतियों के माध्यम से कानूनी कार्यवाही को लंबा खींच सकते हैं, बिना कभी मामले के वास्तविक पहलुओं से जुड़ने के। जब तक कानूनी पारिस्थितिकी तंत्र समय पर सिद्धांत-आधारित विनियमन को निर्णायक रूप से लागू नहीं करता, तब तक नियामकों को गलत कार्यों से निपटने के लिए निर्देशात्मक नियमों पर निर्भर रहने की आवश्यकता महसूस हो सकती है।

अविश्वास से सह-निर्माण तक : विश्वास की कमी को दूर करने के लिए, बाजार प्रतिभागियों और नियामकों को एक-दूसरे से सीधे संवाद करना होगा, न कि एक-दूसरे को नजरअंदाज करना। एआईएफ उद्योग का हालिया विकास इस बारे में एक रचनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। पिछले पांच साल में अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) ने 30 फीसदी की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, 2022 और 2023 के बीच, सेबी की छोटी एआईएफ पर्यवेक्षण टीम ने पाया कि कई एआईएफ जिनमें हजारों करोड़ रुपये का निवेश था, इस तरह बनाए हुए लगते हैं कि वे बैंकिंग, दिवालियापन और विदेशी मुद्रा कानूनों से बच सकें। उद्योग के कुछ हिस्से इन 'तेज-तर्रार तरीकों' से अवगत थे, लेकिन खोज का पूरा बोझ सेबी पर ही पड़ा। सेबी ने गहन पर्यवेक्षण और प्रतिबंधात्मक नियमों के साथ प्रतिक्रिया दी और वैध एआईएफ प्रतिभागियों ने इस बढ़े हुए अनुपालन बोझ का असर महसूस किया।

दहेज दानव का अन्त कैसे हो ?

कांतिलाल मांडोत।

विवाह एक सामाजिक प्रक्रिया है। समाज की व्यवस्था को बनाये रखने के लिए विवाह-संस्कार का महत्त्वपूर्ण स्थान है। दुनियाँ के सभी समाजों में, चाहे वे आदिवासी हों, चाहे सुसंस्कृत: विवाह की प्रक्रिया किसी-न-किसी रूप में प्रत्येक समाज में है। कहीं युवती और युवक स्वयं एक-दूसरे का चुनाव करते हैं तो कहीं समाज के बड़े-बुजुर्ग कुल और खानदान के आधार पर अपने बच्चों, की जोड़ी मिलाकर विवाह की अनुमति प्रदान करते हैं। आजकल विवाह-शादी का रूप शनैः शनैः विकृत होता जा रहा है। सामान्य और पिछड़े वर्ग जहाँ अपनी परम्परा का निर्वाह कर रहे हैं, वहाँ उच्च और मध्यम वर्ग परम्परा के पाटों में पिसने लगा है। विवाह विवशता में बदल रहा है। समाज का एक बहुत बड़ा हिस्सा इससे घुटन महसूस कर रहा है। क्यों? धर्म का कार्य समाज और व्यक्ति को सुखी एवं मुक्ति का राही बनाने का है। दु:खी व्यक्ति कभी भी धर्म की बात सच्चे मन से सोच ही नहीं सकता। इसलिए यदि हम सच्चे धार्मिक हैं तो व्यष्टि को ही नहीं समष्टि को भी सुखी बनाने का प्रयत्न करें। विवाह गृहस्थाश्रम में जाने की प्रथम सीढ़ी है। प्रत्येक व्यक्ति कभी-न-कभी गृहस्थ का अंग होता है। साधु-संन्यासी भी कभी गृहस्थ के रूप में थे। वे उसी से अलग होकर कुछ दूर चले गये। वे अब सम्पूर्ण समाज के हैं। सम्पूर्ण विश्व के हैं। गृहस्थ अपने परिवार के लिए चिन्ता करता है, तो सन्त समग्र समाज की चिन्ता करता है। वह गृहस्थों-श्रावकों को गृहस्थ-जीवन में रहकर भी मुक्ति के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है। यदि समाज जान-बूझकर दु:खों की चादर ओढ़ना प्रारम्भ कर दे तो फिर वह समाज कलंकित हो जाता है। उस समाज में अशान्ति पैदा हो जाती है। वह समाज घुन लगी लकड़ी की भाँति क्षीण होने लगता है।

जब मानव में भाव-साधना जाग्रत होती है तो द्रव्य-साधना अपने आप छूटने लगती है। मुमुक्ष आत्मा परम तत्त्व को प्राप्त करने के लिये शास्त्र, स्वाध्याय एवं श्रुत में रम जाता है। उससे मन को परम शान्ति का आभास होता है। शान्ति को हम क्रय नहीं कर सकते. शान्ति कहीं बाहर नहीं है। आप जितने बाहर जायेंगे, अशान्ति उतनी ही बढती जायेगी, जितने अपने अन्दर जाओगे, मन के भीतर जाओगे, उतना ही शान्ति का द्वार खुलता जायेगा। अँधेरा सिमटता जायेगा, रोशनी उभरती जायेगी। पर लोग तो अँधेरे के उपासक होने लगे हैं। अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए बहाने बनाने लगे हैं। अपने मन की शान्ति के लिए दूसरों का चैन समाप्त करने पर तुले हैं। ऐसे लोगों का क्या किया जाये? भाव-साधना के बजाय द्रव्य साधना ही उनके जीवन का उद्देश्य हो गया है। वे उसी में शान्ति अनुभव करते हैं। अभिप्राय यह है कि हमारा मन असंयत हो गया है। जहाँ संयम टूटने लगता है, वहीं पतन प्रारम्भ हो जाता है। आज विवाह-जैसे पवित्र और संस्कारित कार्यों में दरारें पैदा होने लगी हैं। पचास वर्ष पहले का समाज कहाँ चला गया? आज आये दिन ऐसे-ऐसे समाचार सुनने को मिलते हैं, जिनके कारण समाज को सिर झुकाने के लिये विवश होना पड़ता है। जैन समाज की गिनती धन-सम्पन्न समाज में की जाती है। उसमें गलत परम्पराओं का प्रवेश धर्म की धज्जियाँ उड़ाने वाला है। शादी से पहले सौदे होने लगे हैं। लड़का, लड़का न होकर क्रय की वस्तु हो गया है। उसकी बोली लगाई जाने लगी है। जो जितना अधिक दहेज देगा, उसी की लड़की के साथ हम अपने लड़के का विवाह करेंगे। आज योग्यता को गौण कर दिया गया है। पर कब तक? सोचिए, ठंडे मस्तिष्क से सोचिए। दहेज के पीछे छिपी धारणा पर विचार कीजिए कि भारतीय समाज में लड़की को दहेज क्यों दिया जाता था? माता-पिता के लिए लड़के और लड़की दोनों के प्रति समान स्नेह होता है। लड़की और लड़के का पिता की सम्पत्ति पर समान अधिकार होता है, चूँकि लड़की विवाह के पश्चात् पिता का घर छोड़कर पति के घर जाती है, अत: पिता अपनी क्षमता के अनुसार अपने उपार्जित धन का कुछ भाग दान-दहेज के रूप में लड़की को देता है। यह परम्परा सदियों से चली आ रही है, जो वस्तुत: प्रीतिदान का ही रूप है। लेकिन अब तक वर पक्ष कभी भी इसकी माँग नहीं करता था। जो दे दिया वह ले लिया। जब से वर पक्ष ने माँगना प्रारम्भ कर दिया, इस प्रथा का रूप बीभत्स और विकृत हो गया। सगाई-सम्बन्ध से पहले यह चर्चा होती है कि विवाह में कितना धन लगाओगे? कितना सोना दोगे? कितना नकद? सामान क्या-क्या दोगे? हमारी यह शर्त है। यदि लड़की वाला शर्त स्वीकार कर लेता है, तो सम्बन्ध हो जाता है, वरना सुन्दर जोड़ी भी टूट जाती है। माता-पिता के समक्ष लड़के-लड़की चाहते हुए भी कुछ नहीं कर पाते। दहेज का महाराक्षस दीवार बनकर खड़ा हो जाता है। वे दिन अभी अधिक दूर नहीं हुए, जब लड़कों के विवाह हेतु लड़की वालों को रुपया देना होता था। मैं मानता हूँ कि यह भी बुरी बात थी कि कोई पिता रुपये लेकर अपनी लड़की का हाथ लड़के के हाथ में दे। यह तो लड़की को बेचना था। लेकिन आज जो हो रहा है, वह कौन-सा अच्छा है? दहेज देने के लिए लड़की के पिता को विवश किया जा रहा है। लड़की के साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है, यहाँ तक कि दहेज के लोभी-पापी भेड़िये लड़की को जलाकर हत्या करने लगे हैं। जहर देकर मारने लगे हैं। यहाँ में यह कहूँगा कि ऐसा करने वाले अपने जीवन में कभी शान्ति प्राप्त नहीं कर सकेंगे। दूसरों की लड़की के साथ अन्याय, अत्याचार करने वालों को यह नहीं भूलना है कि उनके भी लड़की है। वह भी वधू बनकर विदा होगी। समाज को ऊँचा उठाना है तो उच्च वर्ग को आगे आना पड़ेगा। उन्हें मध्यम वर्ग की सिसकी सुननी पड़ेगी। क्या हमसब तैयार हैं? दूसरों के कमाये धन से जीवन निकलने वाला नहीं है। व्यक्ति का अपना पुरुषार्थ ही काम आयेगा। दहेज में प्राप्त धन को देखकर कुछ समय भले ही प्रसन्न हो जाओ, मगर वास्तविकता जानने के पश्चात् तो पश्चात्ताप ही करना पड़ेगा। व्यंग से सुशोभित होती परम्पराए। दहेज में उनको इतना सामान दिया गया कि वर व उसका पिता उसे देख-देखकर फूल गये। वे सामान तो ले गये लेकिन वधू को स्टेशन पर भूल गये। हो जाती हैं ऐसी घटनाएँ प्राय: विवाह के दिनों में। ऐसी-ऐसी घटनाएँ आये दिन सुनने को मिलती हैं तो आश्चर्य होता है। एक ताजा घटना है दहेज के भूखों ने वधू पक्ष वालों से कहा कि विवाह में आपको वहीं चीजें देनी होंगी, जो हम आपको बतायेंगे। वधू पक्ष वाला भी सम्पन्न था। उसने कहा कि आपको जो चाहिए, उसकी सूची बनाकर दे दें। बारात पहुँच गई। सारा सामान सूची के अनुसार सजा दिया गया। बाराती नाश्ता और भोजन की प्रतीक्षा करने लगे। मगर वधू पक्ष वाले उनकी बात को अनसुनी करते रहे। लोगों ने सोचा शायद विवाह के पश्चात् भोजन की व्यवस्था होंगी। दुल्हा-दुल्हन फेरों में बैठ गये। विवाह हो गया। बेचारे बारातियों का भूख के मारे हाल बेहाल हो रहा था। उन्होंने कहा- क्या बात है? भोजन का कुछ पता ही नहीं है। वर के पिता कन्या के पिता से बोले समधी जी, बारात को भूख लग रही है। अभी तक आपने यह नहीं बताया है कि भोजन कहाँ करना है? कौन-सा भोजन? विवाह की सूची में तो भोजन की बात ही नहीं थी।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में यह गीत लिखा,जिसमें उन्होंने मातृभूमि को देवी माँ के रूप में चित्रित किया

वंदेमातरम गीत भारत माता के प्रति प्रेम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है-मनोज वर्मा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

डॉ राधाबाई शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ में प्राचार्य डॉ प्रीति मिश्रा के मार्गदर्शन में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा वंदेमातरम गीत की 150 वर्षगांठ एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं जयंती मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर नगर पालिका निगम के एमआईसी सदस्य के गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नेता जी की छायाचित्र में माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदेमातरम गीत भारत माता के प्रति प्रेम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है।बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में यह गीत लिखा,जिसमें उन्होंने मातृभूमि को देवी माँ के रूप में चित्रित

किया।मूल रूप से यह संस्कृत और बांग्ला भाषा का मिश्रण है, जिसके शुरुआती दो पद संस्कृत में हैं।24 जनवरी,1950 को संविधान सभा ने %वंदे मातरम% को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया।इसी प्रकार तरह से द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी शक्तियों के विरुद्ध आज़ाद हिंद फ़ौज का नेतृत्व करने वाले बोस भारतीय क्रांतिकारी थे,जिनको ससम्मान %नेताजी% भी कहते हैं।अदम्य साहस,त्याग और राष्ट्रनिष्ठा के प्रतीक नेताजी के सम्मान में यह दिन पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है,जो उनके निर्भीक नेतृत्व,अनुशासन और स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान को स्मरण करता है। नेताजी ने देशवासियों में आत्मबल और स्वाभिमान का संचार किया। इस अवसर पर संगीत विभाग द्वारा वंदेमातरम गीत का सामूहिक रूप से गायन हुआ।वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र डॉ विनोद कुमार जोशी ने अतिथि स्वागत करते हुए कहा कि वंदेमातरम गीत देश के प्रति समर्पण के भाव को जागृत करतीं हैं तथा नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जीवन यात्रा राष्ट्र के लिए समर्पित रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय जागरण में वंदेमातरम का योगदान विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया गया।जिसमें क्रमशः नमिता फरिकार प्रथम,टुकेश्वरी नायक द्वितीय तथा कंचन साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ श्रद्धा मिश्रा ने किया। सफल आयोजन में समिति के संयोजक डॉ निधि गुप्ता तथा डॉ सीमा रानी प्रधान एवं सुश्री नयनी तांडी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक,सहायक एवं कैडेट्स,एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रही।

रायपुर में 1017 सीटर नालंदा परिसर फेस 2 का 21 करोड 7 लाख में हुआ भूमिपूजन

नालंदा परिसर फेस 2 में आने वाले विद्यार्थियों को माता सरस्वती की कृपा मिलेगी - उपमुख्यमंत्री साव

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

राजधानी शहर रायपुर में नागरिको को नालंदा फेस 2 के भूमिपूजन की शानदार सौगात मिली। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव ने रायपुर जिला प्रभारी मंत्री वन एवं पर्यावरण विभाग मंत्री केदार कश्यप, पूर्व केबिनेट मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, विभिन्न आयोगो के अध्यक्षो, नगर निगम रायपुर आयुक्त विश्वदीप, नगर निगम एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षो, वार्ड पार्षदो सहित हजारो की संख्या में गणमान्यजनो, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओ, नवयुवको, आमजनो की उपस्थिति में राजधानी शहर रायपुर में एनआईटी के सामने जीई मार्ग के किनारे 21 करोड 7 लाख रू. की स्वीकृत लागत से 1017 सीटर नालंदा परिसर का श्रीफल फोडकर कुदाल चलाकर शिलान्यास करते हुए भूमिपूजन एवं कार्यारंभ स्थल पर करते हुए शानदार सौगात दी ।

इस अवसर पर मंच पर गज माला से महापौर श्रीमती मीनल चौबे के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव, वन एवं

पर्यावरण विभाग मंत्री केदार कश्यप, रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत सहित विधायकगणो की उपस्थिति में गज माला पहनाकर नगर निगम रायपुर के एमआईसी सदस्यो, जोन अध्यक्षो पार्षदो ने आत्मीय स्वागत करते हुए रायपुर को ऐतिहासिक सौगात देने पर नगर निगम रायपुर की ओर से हार्दिक धन्यवाद दिया।

उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव ने मंच से सभी नागरिको को बसंत पंचमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं भारतमाता के वीर सपूत नेताजी सुभाषचंद्र बोस का उनकी जयंती पर सादर नमन किया। उन्होने कहा कि नालंदा फेस 2 परिसर में आने वाले सभी विद्यार्थियो को माता सरस्वती की कृपा प्राप्त होगी। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय सरकार लगातार अद्भुत विकास कार्य राज्य में कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवासहीन नागरिको को मकान मिल रहे है। महतारी वंदन योजना में बहनो को नियमित मासिक राशि मिल रही है। पूरे प्रदेश रायपुर राजधानी एवं रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का तेज विकास हो रहा है। उन्होने कहा नालंदा फेस 2 परिसर इस बात का शानदार उदाहरण है कि विष्णुदेव साय सरकार सदैव जनहित में कार्य करती है। उन्होने नालंदा फेस 2 परिसर योजना कियान्वयन हेतु लगातार सतत प्रयास करने पर पूर्व केबिनेट मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत को सराहा। उपमुख्यमंत्री ने नालंदा फेस 1 से शिक्षा ग्रहण कर प्रतियोगी परीक्षाओ में सफल विद्यार्थियो को हार्दिक बधाई दी। उन्होने कहा कि नालंदा फेस 2 परिसर भी प्रतियोगी परीक्षाओ में सफलता के नये सोपान कायम करेगा।

वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आज बसंत पंचमी के शुभ पावन अवसर पर राज्य सरकार की ओर से नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र में राजधानीवासियो को ऐतिहासिक शानदार सौगात नालंदा फेस 2 परिसर के भूमिपूजन के रूप में मिली है। उन्होने कहा यह कार्य उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के नेतृत्व में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत के सतत प्रयासो के पूर्व केबिनेट मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने बसंत पंचमी पर्व की नागरिको को हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रायपुर के लिए अनुपम सौगात देने मंच से उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव को हार्दिक धन्यवाद दिया।

शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर क्रांतिकारी बदलाव व सुधार लाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं - शताब्दी पाण्डेय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर उसमें क्रांतिकारी बदलाव व सुधार लाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। श्रीमती पाण्डेय ने प्रदेश सरकार द्वारा व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के जरिए परीक्षा लेकर 5 हजार शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के प्रतिभा सम्पन्न युवाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, साथ ही शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार होगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य में शिक्षकों की कमी को लेकर नए पदों पर भर्ती प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के आदेश दिए हैं। प्रदेश सरकार अगले शिक्षा सत्र के पहले शिक्षकों की पोस्टिंग करने की तैयारियों में लगी है।

श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि राज्य में शिक्षकों के रिक्त पदों की दिक्कत से निपटने के लिए पिछले साल अप्रैल-मई में युक्तियुक्तकरण किया गया था। इसके चलते एक ही परिसर के स्कूलों को मर्ज भी किया गया और प्राथमिक व मिडिल स्कूलों की मॉनीटरिंग का जिम्मा हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्य को सौंपा गया ताकि खाली पदों की कमी को दूर किया जा सके। अब प्रदेश सरकार की इस पहल से अनेक समस्याओं का समाधान होगा।

25 जनवरी को रायपुर में मन की बात एवं वीबी-जी-राम-जी पर सम्मेलन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा आगामी 25 जनवरी को यहाँ इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक सभागार में मन की बात एवं वीबी-जी-राम-जी पर सम्मेलन आहूत किया गया है। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया जाएगा। इसके पश्चात वीबी-जी-राम-जी सम्मेलन का आयोजन संपन्न होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे। यह आयोजन संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें आत्मनिर्भर ग्राम, राष्ट्र निर्माण एवं संगठन विस्तार जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय में वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलिंगा विश्वविद्यालय परिसर में शुक्रवार प्रातः वसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या, ज्ञान एवं बुद्धि की देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई।

सरस्वती पूजा का शुभारंभ प्रातः 07ः15 बजे हुआ एवं यह 09ः00 बजे तक आयोजित की गई। विश्वविद्यालय में आयोजित इस पूजा में संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर शैक्षणिक उन्नति एवं समृद्धि हेतु देवी माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पवित्र शंखनाद के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण परिसर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा को पुष्पों, केले के पत्तों एवं पारंपरिक सजावट से भव्य रूप से सजाया गया, जो वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक रहा।

वसंत पंचमी का विशेष महत्व विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए है, क्योंकि माँ सरस्वती को ज्ञान एवं प्रकाश की अधिष्ठात्री देवी के रूप में पूजा जाता है। विधिवत पूजन एवं हवन सम्पन्न किया गया, जिसके उपरांत प्रसाद एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। सभी सहभागियों ने पीले रंग के पारंपरिक परिधान धारण किए, जो उत्साह, सकारात्मकता एवं उल्लास का प्रतीक रहा।

इस आयोजन में विशेष रूप से छात्रावासों से आए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्र स्वयंसेवकों ने मैरीगोल्ड (गेंदे) के फूलों से आयोजन स्थल की सजावट में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे कार्यक्रम की शोभा एवं पारंपरिक सौंदर्य में वृद्धि हुई। विद्यार्थियों के मस्तक पर तिलक लगाया गया तथा उनकी कलाई पर पवित्र रक्षा सूत्र बांधे गए, जो आशीर्वाद, सुरक्षा एवं शैक्षणिक सफलता का प्रतीक रहे।

इस अवसर पर डॉ. आर. श्रीधर, कुलपति, कलिंगा विश्वविद्यालय ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि वसंत ऋतु का आगमन सभी के जीवन में ज्ञान, सुख एवं समृद्धि लेकर आए। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु ज्ञान, अनुशासन एवं सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर बल दिया।

कार्यक्रम का समन्वय शुभम प्रमोद, उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। छात्र कल्याण विभाग (DSW) टीम एवं कलिंगा विश्वविद्यालय परिवार के समर्पित सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ पुरानी बस्ती थाना प्रभारी से मिलकर समस्याओं से अवगत कराया

रायपुर प्रतिदिन राजधानी

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ का प्रतिनिधि मंडल विमल बाफना के नेतृत्व में थाना प्रभारी पुरानी बस्ती शील आदित्य सिंह से मिलकर लाखे नगर ढाल के व्यापारियों को होने वाली परेशानी समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई बढ़ते अपराध के चलते व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ठेले खोमचे वालों की आड में सामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग रहता है जिस पर कड़ी कार्यवाही करने का आग्रह किया गया इसके साथ ही पेट्रोलियम गश्त लगातार बढ़ाने नशे का व्यापार रोकने अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने को लेकर चर्चा हुई महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ के द्वारा पुरानी बस्ती थाना प्रभारी शील आदित्य सिंह को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ के अध्यक्ष विमल बाफना विनोद जोशी राजकुमार अग्रवाल प्रशांत भागवत वैभव सालुंके विनोद जैन ऋषभ जैन अतीक खान विजय कलंत्री उपस्थित थे थाना प्रभारी ने व्यापारियों को होने वाली समस्याओं गंभीरता से सुना इसका शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया और कहा कि किसी भी समस्या के लिए व्यापारीगण कभी भी थाने में मिल सकते हैं

बसंत पंचमी के अवसर पर माँ सरस्वती की पूजा धूमधाम से की गई

रायपुर प्रतिदिन राजधानी

बसंत पंचमी के अवसर पर माँ सरस्वती की पूजा धूमधाम से की गई ।

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रायपुर कॉन्वेंट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुढ़ियारी राजेन्द्रनगर एवं शिवानंदनगर में समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर माँ सरस्वती की पूजा अर्चना धूमधाम से प्रात ः 11 बजे की गई।

कर्जदार किसान का टोकन नहीं कटेगा, धान नहीं बिकेगा यदि वे आत्महत्या करतें हैं तो उसका जिम्मेदार कौन- आम आदमी पार्टी

प्रदेश के परेशान किसानों की 28 फरवरी तक धान खरीदी कर राहत दे सरकार - आम आदमी पाटी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी पार्टी ने प्रदेश में किसानों के साथ हो रहे अन्याय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में तारेन्द्र चंद्राकर प्रदेश अध्यक्ष (किसान विंग) ने कहा कि सरकार ने घोषणा की थी कि धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू की जायेगी लेकिन सबको पता हैं कि सरकार ने लेट कर धान खरीदी कहीं पर 17 तारीख कहीं पर 18 तारीख और कई जगह तो 25 नवम्बर से खरीदी चालू की। और अब धान खरीदी 29 जनवरी को बंद कर रहे हैं जबकि सरकार ने 31 जनवरी तक धान खरीदने की बात कही थी, जो

की अपनी बात से ही मुकर रही है। सरकार ने साजिश के तहत लाखों छोटे किसानों का जबरदस्ती रकबा समर्पण करवा रही है। वहीं कुछ किसानों को आज तक टोकन नहीं मिला है ना ऑनलाइन, ना ऑफलाइन। जो छोटे किसान थे उन्हें 1 टोकन, जो मीडियम किसान थे उन्हें 2 टोकन और बड़े किसानों को 3 टोकन दिया गया बावजूद इसके आज भी किसान अपनी पूरी धान नहीं बेंच पा रहें हैं। धान खरीदी केंद्र की प्रतिदिन लिमिट को सरकार ने इस बार कम कर दिया जिससे किसान सिर्फ लाइन लगाकर अपना इंतजार करते परेशान ही दिखे। टोकन काटने से पहले पटवारी आरआई और तहसीलदार किसानों को घर में जाकर भौतिक सत्यापन कर धान चेक कर रहे हैं सरकार की नज़र में क्या किसान चोर हैं? धान बोवाई से लेकर, कभी बीज नहीं, कभी यूरिया खाद नहीं, फिर एग्रीस्टेक में खराबी की बात कह पूर्व में ही लाखों किसानों का रकबा काट दिया गया। दरअसल सरकार की धान खरीदने की मंशा ही नहीं है इसके लिए अनेक बहाने बनाये जा रहें हैं।

तेजेंद्र तोड़ेकर प्रदेश संगठन मंत्री ने कहा कि अब तक छत्तीसगढ़ में लगभग 20 प्रतिशत किसान धान बेचने से वंचित रह चुके हैं और जो किसानों ने कर्ज लिया है उसे वह कैसे चुकायेगा और यदि किसान आत्महत्या करता है तो उसका जिम्मेदार यह सरकार होगी। किसानो की हितैषी बात करने वाली सरकार धान खरीदी में पूरी तरह फेल हो चुकी है।सरकारी समितियों में भ्रष्टाचारी सिस्टम लाखों क्विंटल धान को चूहों द्वारा खा लिया ऐसा कहकर जनता के पैसे का भ्रस्टाचार कर रहें हैं और ये सरकार उसे रोकने में पूरी तरह नाकाम ही रही है। क्या आज तक किसी अधिकारी पर एफ आई आर हुई? यह किसान हितैषी नहीं किसान विरोधी सरकार है।

विजय कुमार झा प्रदेश अध्यक्ष (कर्मचारी विंग) ने कहा कि ऐसा ही धमतरी जिले से एक मामला सामने आया है जिसमें किसान की खेती किसी और गांव में होती थी और उनके पास रखने के लिए जगह नहीं था, इतने दिन टोकन न मिलने और रखने की जगह नही होने के कारण उन्होंने अपनी फसल अपने गांव से 35 किलोमीटर दूर कुरूद अपने घर में लाकर रख लिया और जब वेरिफिकेशन के लिए फ़ोन आया तो पटवारी आदि का कहना था कि आप धान खेत में लाइए अन्यथा हम आपका रकबा शून्य कर देंगे।

पराक्रम दिवस पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस को नमन, विजन कंप्यूटर एजुकेशन में संगोष्ठी आयोजित...

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के अवसर पर आज पूरा राष्ट्र उन्हें नमन कर रहा है और उनके पराक्रम, त्याग एवं राष्ट्रभक्ति को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। इसी कड़ी में राजनांदगांव जिले के विजन कंप्यूटर एजुकेशन में एक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन कर नेताजी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके जीवन संघर्ष, आज़ाद हिंद फौज की स्थापना तथा जय हिंद और दिल्ली चलो जैसे नारों की ऐतिहासिक भूमिका पर विचार रखे। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य तेजस्वी वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन मेरा युवा भारत (MY Bharat), राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नेताजी सुभाषचंद्र बोस के त्याग, साहस, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति से प्रेरित करना तथा उनके विचारों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुँचाना रहा।

विजन कंप्यूटर एजुकेशन के संचालक लोकेश रजक ने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जीवन युवाओं के लिए अद्भुत प्रेरणा है। उनका पराक्रम, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति आज की पीढ़ी को सही दिशा दिखाता है। मेरा युवा भारत कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य रहा। ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में देशभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता का भाव विकसित होता है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने कहा कि नेताजी का जीवन आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और उनका संदेश एकता, अनुशासन और बलिदान आज भी उतना ही प्रासंगिक है। इस अवसर पर एड्स (HIV) जागरूकता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजन कंप्यूटर एजुकेशन संस्थान के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान चांदनी संग्रामे, द्वितीय स्थान पूर्णिमा मानिकपुरी तथा तृतीय स्थान नीलम ठाकुर को प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार स्वरूप कैप एवं पेन प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में विजन कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर के संचालक लोकेश रजक, शाखा प्रबंधक भूमिका देवांगन, नंदनी विश्वकर्मा, वेपेंद्र वर्मा, तूलिका समरित, शगुफ्ता मैडम सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वनांचल क्षेत्र में 35 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण विधिवत संपन्न

खैरागढ़ प्रतिदिन राजधानी

नर्मदा मंडल के वनांचल क्षेत्र के ग्राम बेलगांव (सिंगारपुर), पैलीमेटा एवं मगरकुंड में राजनांदगांव लोकसभा के यशस्वी सांसद संतोष पांडेय ने 35 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई अंतर्गत ग्राम बेलगांव (सिंगारपुर) में सीसी रोड निर्माण कार्य का ग्रामवासियों के साथ विधिवत भूमिपूजन किया।इस निर्माण कार्य से डबल इंजन की भाजपा सरकार में ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं वहां की आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देने एवं ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा। पैलीमेटा में व्यापारिक बाजार को बढ़ावा देने व्यावसायिक परिसर एवं अटल समरसता भवन का भूमिपूजन किया गया। वहीं ग्राम मगरकुंड में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होकर

नवनिर्मित श्री राम मंदिर का लोकार्पण किया गया।

उनके साथ में प्रमुख रूप से

जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह जी, पूर्व विधायक कोमल जंघेल जी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार जी, राकेश ताम्रकार, मंडल अध्यक्ष आनंद पटेल, महामंत्री भीखु हिरवानी, अनुज साहू, कांशीराम पोर्ते, कुमार पाल, अशोक साहू, चंद्रकुमार वर्मा, ज्योति जंघेल, डोमार भेड़िया, प्रकाश जंघेल, संतन साहू, युवराज पटेल, बल्लू जंघेल, अमरसिंह मरावी, मोहन नेताम, इंद्राणी वर्मा, बाला जंघेल, देवलाल साहू, डेरालाल मसखरे, राजू जंघेल, भुनेश्वर सेन, मूकचंद नायक, जानी मशखरे, रामस्वरूप यादव, आकाश जायसवाल, राधे जंघेल, माखन जांघेल, दिनेश साहू, रामप्रसाद मरावी, केशलाल मंडावी, ओमप्रकाश सोरी, जंगलदास बघेल, नरेश धुर्वे, गंगाराम नेताम, ईश्वर साहू, दिलीप नागवंशी, एवं अन्य क्षेत्रवासी, ग्रामवासी व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत माकड़ी में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माकड़ी में माकड़ी पुलिस एवं यातायात पुलिस कोंडागांव की संयुक्त टीम द्वारा यातायात व सायबर अपराध, आपराधिक कानून व नशामुक्ति के सम्बन्ध में जानकारी दी गई।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जिला कोण्डागांव पंकज चन्द्रा के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव कौशलेन्द्र देव पटेल एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव रूपेश कुमार के मार्गदर्शन में थाना माकड़ी पुलिस द्वारा नवीन आपराधिक कानून, महिला अपराध, नशामुक्ति, सायबर अपराध एवं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के लिए थाना माकड़ी क्षेत्र में लगातार इसी परिपेक्ष्य में 21 जनवरी को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माकड़ी में निरीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान थाना प्रभारी माकड़ी एवं सहायक उपनिरीक्षक सुदर्शन मजूमदार यातायात शाखा कोण्डागांव द्वारा संस्थान में उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं, प्रोफेसरों व अन्य लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया गया।

कलेक्टर मिश्रा के निर्देश पर अवैध धान भंडारण पर बड़ी कार्रवाई

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

3116 क्विंटल चावल शासन को जमा नहीं करने पर राइस मिल सील, एफआईआर दर्ज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशा पर जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते 21 जनवरी को राजस्व, खाद्य, मंडी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पंचायत दर्री स्थित रामसेवक एंड संस फर्म में चावल सत्यापन हेतु जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा कस्टम मिलिंग वर्ष 2024-25 के अंतर्गत एफसीआई एवं नागरिक आपूर्ति निगम में कुल 7881.18 क्विंटल चावल जमा किया गया है, जबकि 3116.08 क्विंटल चावल शासन को जमा करना शेष है। इसके अतिरिक्त मिल परिसर में

भौतिक सत्यापन के दौरान ढेर में संग्रहित लगभग 60 कट्टा धान एवं 23 बोरी रिजेक्शन (खराब) चावल पाया गया।

अनियमितता पाए जाने पर कार्यपालिक दंडाधिकारी धमतरी की उपस्थिति में रामसेवक एंड संस फर्म को आगामी आदेश तक सील कर दिया गया। शासन को जमा किए जाने वाले शेष चावल की अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 33 लाख 99 हजार 144 रुपये आंकी गई है।

फर्म संचालक प्रकाश पांडेय द्वारा छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दंडनीय अपराध पाए जाने पर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

इस कार्रवाई के दौरान धमतरी तहसीलदार कुसुम प्रधान, खाद्य निरीक्षक नीलेश चंद्राकर, मंडी निरीक्षक तथा जिला प्रबंधक अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बने बाइक चोर, 3 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर के अलग-अलग इलाकों में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 6 मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे जल्दी और ज्यादा पैसे कमाने के लालच में बाइक चोर कर रहे थे। चोरी की गई मोटरसाइकिलों को आरोपियों द्वारा एक खंडहर में छिपाकर रखा गया था, जिसे उनकी निशानदेही पर पुलिस ने बरामद किया। आरोपियों में रितेश पांडे तितिरगांव, कृष्णा बघेल उर्फ कोंदा तितिरगांव, बोड़ापारा, तीसरा आरोपी थाना नगरनार क्षेत्र का निवासी है, जिसे नगरनार क्षेत्र से बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि 21 जनवरी को प्रार्थी आकाश नाग ने थाना बोधघाट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने मोटरसाइकिल 13 जनवरी की रात साकेत कॉलोनी स्थित अपने घर के सामने खड़ी की थी, जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने साइबर सेल की सहायता से संदेह के आधार पर तितिरगांव निवासी रितेश पांडे और कृष्णा बघेल को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

जर्जर स्कूल भवन, 24 बच्चे जमीन पर पढ़ने मजबूर

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिला कोंडागांव के ब्लॉक मर्दापाल अंतर्गत ग्राम पंचायत तुमड़ीवाल के आश्रित ग्राम बेड़मा में प्राथमिक शाला की हालत अत्यंत दयनीय बनी हुई है। पिछले 2-3 वर्षों से स्कूल भवन पूरी तरह जर्जर पड़ा है, जिसकी न मरम्मत कराई गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। वर्तमान में 24 बच्चे बिना छत और बुनियादी सुविधाओं के जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। आम आदमी पार्टी ने इसे बच्चों की शिक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ बताते हुए भाजपा सरकार पर बस्तर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि पुनर्वास योजना के तहत आत्मसमर्पण के बावजूद बेड़मा गांव को आज तक सड़क, स्कूल, पेयजल, आंगनबाड़ी जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिली हैं। ग्रामीणों के अनुसार गांव में न शुद्ध पेयजल की व्यवस्था है, न आंगनबाड़ी, न सड़क और न ही सुरक्षित स्कूल भवन। इससे बच्चों की शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हो रही है। आम आदमी पार्टी और नारायणपुर विधानसभा की ओर से जिला प्रशासन कोण्डागांव से मांग की गई है कि प्राथमिक शाला का तत्काल पुनर्निर्माण या मरम्मत कराई जाए, बच्चों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक भवन की व्यवस्था हो और गांव को सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

बिहान समूह को दी महिला संबंधित कानूनों की जानकारी

केशकाल, प्रतिदिन राजधानी

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही चैतन्य वाइस संस्था इन दिनों गांव-गांव जाकर बिहान के साथ मिलकर समूह की महिलाओं को विभिन्न प्रकार के अधिकारों एवं कानूनी जानकारियां देकर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में केशकाल ब्लॉक अंतर्गत उजाला कलस्टर केशकाल, जीवनधारा क्लस्टर अड़ेंगा, आकांक्षा क्लस्टर धनोरा एवं नवोदय महिला समूह क्लस्टर बहीगांव में समूह विस्तारपूर्वक बताते हुए उन्हें जागरूक किया गया। इस प्रशिक्षण में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मुख्य रूप से क्षेत्रीय समन्वयक रीना मरकाम, पीआरपी ओमकुंवर बैस, चैतन्य संस्था से जिला समन्वयक अंजू यादव, ममता देवांगन एवं उर्वशी मौजूद रहे।

प्रोजेक्ट उन्नति 2.0: जोबा में 30 दिनी राजमिस्त्री प्रशिक्षण

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के अंतर्गत ग्राम पंचायत जोबा में 30 दिवसीय नि:शुल्क राजमिस्त्री (मेसन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

यह प्रशिक्षण ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), जगदलपुर द्वारा जिला कोंडागांव के विकासखंड कोंडागांव में आयोजित किया जा रहा है।

शासन के निर्देशानुसार प्रारंभ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा श्रमिकों एवं आवास हितग्राहियों के कौशल का उन्नयन कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। जिला पंचायत कोंडागांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने बताया कि राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात हितग्राही न केवल अपने आवास का निर्माण स्वयं कर सकेंगे, बल्कि बाजार की मांग के अनुरूप कुशल कारीगर बनकर बेहतर आय अर्जित करने में भी सक्षम होंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने तथा प्रशिक्षणार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन आवास हितग्राहियों को शामिल किया गया है, जिन्होंने मनरेगा के अंतर्गत 60 दिवस का कार्य पूर्ण कर लिया है। प्रशिक्षण के दौरान आरसेटी के विशेषज्ञों द्वारा निर्माण कार्य से जुड़ी आधुनिक तकनीकों जैसे नींव निर्माण, दीवार जुड़ाई एवं प्लास्टर कार्य आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 30 दिनों के इस सघन प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को शासन द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के माध्यम से ग्राम पंचायत जोबा सहित क्षेत्र के ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

बेकाबू बोलेरो गड्ढे में, चालक घायल

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव जिला मुख्यालय स्थित लाइवलीहुड कॉलेज के पास बायपास मार्ग पर बुधवार की रात एक तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में चालक घायल हुआ है, जिसे कोंडागांव जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुवार दोपहर घायल वाहन चालक कार्तिक बघेल निवासी बोलेंगा बस्तर ने जानकारी देते हुए बताया कि वह रात में केले गांव से कोंडागांव आ रहा था उसी दौरान बायपास मार्ग में उनकी बोलेरो वाहन अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे गड्ढे में बुरी तरह पलट गई। इस घटना में वाहन चालक कार्तिक बघेल बाल बाल बच गया है। फिलहाल, जिला अस्पताल में उनका उपचार जारी है।

साहू समाज का ऐतिहासिक निर्णय समाज के लिए प्रेरणास्रोत- दीपिका शोरी

प्री-वेडिंग शूट पर प्रतिबंध को बताया सामाजिक सुधार की दिशा में मजबूत कदम

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में साहू समाज द्वारा प्री-वेडिंग शूट और फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के निर्णय को छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने समाजहित में लिया गया एक साहसिक और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय आज के समय में समाज को सही दिशा देने वाला है।

अधिवक्ता दीपिका शोरी ने कहा कि प्री-वेडिंग शूट वर्तमान में एक ऐसी कुरीति का रूप ले चुका है, जिसके कारण अनावश्यक आर्थिक दबाव बढ़ रहा है और कई बार पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में तनाव उत्पन्न हो रहा है। दिखावे और प्रतिस्पर्धा की भावना के चलते विवाह जैसे पवित्र संस्कार का उद्देश्य प्रभावित हो रहा है।

उन्होंने साहू समाज के इस निर्णय को सामाजिक सुधार की दिशा में अनुकरणीय पहल बताते हुए कहा कि अन्य समाजों को भी इससे प्रेरणा लेकर ऐसे निर्णय लेने चाहिए, जिससे विवाह को सादगी, संस्कार और सम्मान के साथ सम्पन्न किया जा सके।

दीपिका शोरी ने कहा कि इस प्रकार के फैसले न केवल आर्थिक संतुलन बनाए रखते हैं, बल्कि युवाओं को भी सही मूल्यों से जोड़ते हैं। महिला आयोग रहेगा, जो समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जाएं।

बीजापुर में अतिक्रमण हटाने को लेकर भाजपा-कांग्रेस में बयानबाजी तेज

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी

नगर पालिका क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी द्वारा प्रशासनिक कार्रवाई को गलत बताए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने प्रेसवार्ता कर उनके आरोपों का खंडन किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने प्रेसवार्ता में कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित कच्चे मकानों पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई है। उनके अनुसार, विधायक विक्रम मंडावी ने इस कार्रवाई को गलत बताया और प्रभावित लोगों के बीच प्रशासन के खिलाफ बातें कहीं। घासीराम नाग ने यह भी कहा कि विधायक का यह रुख उनके पूर्व के बयानों से अलग है। यह बयान उन्होंने पार्टी की ओर से दिया।

प्रेसवार्ता में मौजूद सांसद प्रतिनिधि जिला राम राना ने दावा किया कि हाल ही में आयोजित दिशा समिति की बैठक में वे सांसद प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे। उनके अनुसार, उसी बैठक में विधायक विक्रम मंडावी ने कलेक्टर से नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने की मांग की थी। जिला राम राना ने कहा कि प्रशासन ने उसी मांग के आधार पर कार्रवाई की, लेकिन बाद में विधायक ने इसे गलत बताया।

जिला राम राना ने यह भी आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान विधायक अपने निजी कार्यक्रम में शामिल थे। उन्होंने इसे विधायक के सार्वजनिक रुख से जोड़ते हुए सवाल उठाए। यह आरोप उन्होंने अपने बयान में लगाए। भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने यह भी कहा कि यदि विधायक को कार्रवाई को लेकर आपत्ति थी, तो कलेक्टर को दिए गए आवेदन में इसका उल्लेख किया जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा नेताओं पर लगाए गए अवैध कब्जे के आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि ऐसे भी हों, तो उन पर भी समान कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रेसवार्ता में पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, जिला महामंत्री संजय लुंकड़, फूलचंद गागड़ा और पार्टी प्रवक्ता मैथुज कुजूर उपस्थित थे। नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर उठे इस विवाद पर प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

सीपीआई ने अधिवक्ताओं को बांटे कलम

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

सीपीआई द्वारा चलाए गए कलम अभियान के तहत सीपीआई जिला परिषद् कोण्डागांव ने जिला एवं सत्र न्यायालय कोण्डागांव के बार रुम में पहुंचकर अधिवक्ताओं को कलम और पर्चे बांटे।

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) कोण्डागांव के पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायालय कोण्डागांव के अधिवक्ता कक्ष में पहुंचकर सीपीआई द्वारा चलाए गए कलम अभियान की जानकारी देकर एवं जागरुकता हेतु बनाए गए पर्चों को बांटा और देश में बढ़ती सांप्रदायिकता पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षा और जागरूकता को सबसे सशक्त हथियार बताकर अपील की कि वे सभी भी पार्टी के स्पष्ट संदेश 'हिंसा का जवाब शिक्षा से दें, आइए कलम उठाएं और भारत को मजबूत बनाएं।' अभियान से जुड़ें, कलम हाथ में लें और अपने आसपास शिक्षा का प्रकाश फैलाकर देश को मजबूत बनाने में योगदान दें।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने अधिवक्ताओं को कलम (पेन) भेंटकर इस अभियान को आगे बढ़ाया है, सकारात्मक कदम बताया। सचिव शैलेश, सहायक सचिव दिनेश के अध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष असलम खान, संजय शार्दुल, प्रशांत दत्ता, तिलक पाण्डे, अनीष श्रीवास्तव, श्री पटेल सहित भारी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 770 अंक लुढ़का

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को चौतरफा बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स करीब 770 अंक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी में 241 अंक की गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 769.66 अंक यानी 0.94 फीसदी की गिरावट के साथ 81,537.70 स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 241.25 अंक यानी 0.95 फीसदी की गिरावट के साथ 25,048.65 के स्तर पर बंद हुआ है। शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गयी और सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। बैंकिंग, रियलटी, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस, ऑटो, वित्त और मीडिया सेक्टरों पर दबाव अधिक रहा। सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में शामिल अडाणी पोर्ट्स का शेयर 7.5 फीसदी से ज्यादा टूटा। इटरनल में छह फीसदी से अधिक और इंडिगो में चार फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व और पावर ग्रिड के शेयर दो से 3 फीसदी की बीच टूटे। इसके अलावा मारुति सुजुकी, बीईएल, भारतीय स्टेट बैंक, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, ट्रेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज में एक से दो फीसदी के बीच गिरावट रही। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और टीसीएस में भी तेजी रही। एक दिन पहले गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 397.73 अंक यानी 0.49 फीसदी उछल कर 82,307.37 पर बंद हुआ था।

एमवे इंडिया ने न्यूट्रिलाइट™ बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) लॉन्च किया

जो त्वचा, बालों और नाखूनों के स्वास्थ्य को भीतर से सहारा देता है

नई दिल्ली। आज के तेज-रफ्तार जीवन में देर रात तक जागने की आदत, बढ़ते तनाव और पोषक तत्वों की कमी वाले आहार के कारण, स्वस्थ दिखने वाले बाल, त्वचा और नाखून भी अपनी प्राकृतिक चमक और मजबूती खो सकते हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता 'भीतर से सुंदरता' की अवधारणा वाले उत्पादों को अपना रहे हैं, स्वास्थ्य और वेलनेस के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रिलाइट™ बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) लॉन्च किया है— जो एक वैज्ञानिक रूप से तैयार न्यूट्रास्युटिकल है जिसमें भीतर से स्वस्थ बालों, त्वचा और नाखूनों को सहारा देने वाले तत्व शामिल हैं। इसे 'बायोटिन से परे' फ़ॉर्मूलेशन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह उत्पाद केवल एकल-घटक सप्लीमेंट तक सीमित न रहकर बायोटिन,

विटामिन सी और जिंक जैसे तीन आवश्यक पोषक तत्वों का 100% अनुशंसित आहार मात्रा (आरडीए) प्रदान करता है, साथ ही बीटा कैरोटीन भी शामिल करता है। यह एमवे के विज्ञान-समर्थित पोषण और पादप-आधारित वेलनेस पर निरंतर फोकस को दर्शाता है।

न्यूट्रिलाइट की 90+ वर्षों की पोषण विशेषज्ञता के साथ विकसित, यह उत्पाद अनुशंसित आहार भत्तों (आरडीए) के अनुरूप आवश्यक पोषक तत्वों को प्रदान करता है, जो एमवे के रोजमर्रा के पोषण पर फोकस को मजबूत करता है। लॉन्च के अवसर पर एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री रजनीश चोपड़ा ने कहा: 'आज के उपभोक्ता यह तेजी से समझ रहे हैं कि समग्र स्वास्थ्य और बाहरी रूप-रंग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। एमवे में, हमारा प्रयास विज्ञान-समर्थित, प्रकृति-प्रेरित पोषण के माध्यम से लोगों को अधिक संतुष्ट जीवन जीने में सक्षम बनाना है। बायोटिन™ सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) का लॉन्च हमारे 'भीतर से सुंदरता' पोषण पोर्टफोलियो को मजबूत करता है, और बायोटिन से परे व्यापक पोषक तत्वों वाला फॉर्मूलेशन वाला प्रस्तुत करके रोजमर्रा की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह हमारी उस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है जिसके तहत हम नवोन्मेषी उत्पादों के माध्यम से लोगों को भीतर से अपने स्वास्थ्य की ज़िम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बना रहे हैं। ' न्यूट्रिलाइट™ बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) आवश्यक पोषक तत्वों के सावधानीपूर्वक चुने गए संयोजन के साथ तैयार किया गया है। बायोटिन बालों की वृद्धि और फॉलिकल स्वास्थ्य को सहारा देता है। जिंक नाखूनों को मज़बूत बनाए रखने के साथ-साथ त्वचा के स्वास्थ्य में भी मदद करता है। विटामिन सी कोलेजन उत्पादन में सहायक है और कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव तनाव से एंटीऑक्सीडेंट सुरक्षा प्रदान करता है। बीटा कैरोटीन जो शैवाल से प्राप्त किया गया है, प्रकृति के सबसे समृद्ध पादप स्रोतों में से एक—यूवी एक्सपोज़र के प्रभाव को कम करने में मदद करके धूप से त्वचा को होने वाली की क्षति के विरुद्ध प्रकृति की ढाल के रूप में कार्य करता है, साथ ही यूवी-प्रेरित एरिथेमा (त्वचा की लालिमा) के विरुद्ध फोटो-प्रोटेक्शन प्रदान करता है।

18 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों के लिए डिजाइन किया गया, न्यूट्रिलाइट™ बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) को संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के हिस्से के रूप में प्रतिदिन एक टैबलेट लेने की सलाह दी जाती है। यह उत्पाद एक न्यूट्रास्युटिकल है और इसका उपयोग औषधीय प्रयोजन के लिए नहीं है, न ही इसे विविध आहार के विकल्प के रूप में लिया जाना चाहिए।

टाटा क्लासएज ने 'एडटेक एक्सपीरियंस सेंटर्स' लॉन्च करने के लिए इटोम वर्क्स लिमिटेड के साथ मिलाया हाथ

मुंबई। भारत भर के स्कूलों के लिए भविष्योन्मुख अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में एक विश्वसनीय भागीदार, टाटा क्लासएज लिमिटेड ने आज इटोम वर्क्स लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इटोम एक ऐसा संगठन है जो शैक्षिक प्रौद्योगिकीके प्रभावी एकीकरण को बड़े पैमाने पर सक्षम करने के लिए अनुभव-आधारित प्रौद्योगिकी स्थान बनाने में विशेषज्ञता रखता है। इस सहयोग के हिस्से के रूप में टीसीई Etome में एक रणनीतिक इक्विटी हिस्सेदारी लेगा जो डिजिटल लर्निंग समाधानों और कक्षा के अभ्यास में उनके प्रभावी एकीकरण के बीच के अंतर को कम करने की साझी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बाएं से दाएं - सुश्री नेहा जोसन, एमडी, इटोम, श्री जोसन थॉमस, निदेशक, इटोम, श्री केआरएस जमवाल, ईडी, टीआईएल और चेयरमैन, टीसीई, और श्री तरुण भोजवानी, सीईओ, टीसीई जैसे-जैसे शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन तेज हो रहा है, संस्थान अपनी आवश्यकताओं के लिए सबसे उपयुक्त समाधानों को खोजने और उनका मूल्यांकन करने के लिए विश्वसनीय माध्यम तलाश रहे हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य 'एडटेक एक्सपीरियंस सेंटर्स' को भौतिक हब के रूप में स्थापित करके उस मांग को पूरा करना है। यह स्कूल के नेताओं को प्रत्यक्ष रूप से समाधानों का पता लगाने और सार्थक प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए तैयारी करने में सक्षम बनाएगा। ये केंद्र शिक्षण प्रभावशीलता को बढ़ाने और स्कूलों में निर्बाध डिजिटलीकरण का समर्थन करने के लिए संरचित प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करके शिक्षक क्षमता निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस गठबंधन के रणनीतिक इरादे पर बोलते हुए टाटा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और टीसीई के चेयरमैन श्री के.आर.एस. जमवाल ने कहा, 'मुझे प्री-के से के-12 पारिस्थितिकी तंत्र के सभी प्रमुख तत्वों में अपना योगदान करने और भाग लेने के अपने लक्ष्य की ओर टाटा क्लासएज की प्रगति देखकर खुशी हो रही है। यह सहयोग इस पारिस्थितिकी तंत्र में 'फिजीटल एक्सपीरियंस सेंटर्स' के प्रमुख तत्व को जोड़ता है। चूंकि एडटेक के-12 शिक्षा के विकास का नेतृत्व कर रहा है, इसलिए ऐसे केंद्र देश भर के स्कूलों और शिक्षकों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं, उपकरणों, तकनीकों और डिवाइस को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'

एडटेक डिस्कवरी की नई कल्पना : जहाँ स्कूलों में डिजिटल अपनाने की प्रक्रिया बढ़ रही है, वहीं टेक्नोलॉजी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर कंटेंट समाधानों के साथ भौतिक रूप से बातचीत करने की क्षमता बाजार में एक कमी बनी हुई है। यह जुड़ाव 'एक्सपीरियंस सेंटर्स' का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क लॉन्च करके उस जरूरत को पूरा करता है। ये ऐसे समर्पित स्थान होंगे जहाँ स्कूल व्यावहारिक वातावरण में एडटेक समाधानों में खोज, अनुभव और मूल्यांकन कर सकेंगे। इस जुड़ाव पर अपने विचार साझा करते हुए, इटोम के निदेशक श्री जोसन थॉमस ने कहा, 'टाटा क्लासएज के साथ साझेदारी करना हमारे लिए एक निर्णायक क्षण है। ये अनुभव केंद्र केवल उत्पादों को प्रदर्शित करने के बारे में नहीं होंगे; वे जुड़ाव के लिए जीवंत स्थान होंगे। टीसीई के समर्थन के साथ हम एक विश्वसनीय वितरण नेटवर्क बनाने की अपनी क्षमता को लेकर आश्वस्त हैं जो देश भर के संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ एडटेक लाएगा।'

डिजिटल परिवर्तन के लिए स्कूलों को आगे बढ़ाना : कक्षाओं को नया रूप देने वाले डिजिटल परिवर्तन के साथ स्कूलों को केवल तकनीक तक पहुंच से अधिक की आवश्यकता है, उन्हें मार्गदर्शन, एक्सपोज़र और संरचित समर्थन की आवश्यकता है। एक साथ मिलकर यह पहल इस गठबंधन को स्कूलों द्वारा तकनीक को खोजने और अपनाने के तरीके को ऊपर उठाने के लिए प्रेरित करती है। आगे जोड़ते हुए, टीसीई के सीईओ, श्री तरुण भोजवानी ने कहा, 'आज स्कूल तेजी से विस्तारित हो रहे एडटेक परिदृश्य को नेविगेट कर रहे हैं। हमारे केंद्र उन्हें अनुभव करने और समाधानों का मूल्यांकन करने के लिए एक विश्वसनीय, अकादमिक रूप से निर्देशित वातावरण प्रदान करके अनिश्चितता से सूचित निर्णय लेने की ओर बढ़ने में मदद करेंगे। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर स्कूल उस तकनीक को अपनाए जो वास्तव में उसकी शिक्षण और सीखने की जरूरतों को पूरा करती है।' इस दिशा के स्थापित होने के साथ, नेतृत्व टीम ने अपना दृष्टिकोण साझा किया कि यह पहल स्कूलों के लिए क्या सक्षम करेगी:

एडटेक एक्सपीरियंस सेंटर्स : अनुभव केंद्र स्थापित करना जो अकादमिक खोज क्षेत्र के रूप में काम करेंगे जहाँ शिक्षक शिक्षण-संचालित कक्षा समाधानों के साथ सार्थक रूप से जुड़ सकते हैं।

शिक्षक क्षमता निर्माण : उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षक प्रशिक्षण, कौशल-निर्माण सत्र और शैक्षणिक कार्यशालाओं का संचालन करने के लिए इन केंद्रों का लाभ उठाना जो प्रौद्योगिकी एकीकरण और भविष्य के अनुकूल कक्षा प्रथाओं को मजबूत करते हैं।

क्यूरेटेड लर्निंग सॉल्यूशंस इकोसिस्टम: एक सोच-समझकर तैयार किया गया, मल्टी-ब्रांड नेटवर्क विकसित करना जो यह सुनिश्चित करता है कि स्कूलों के पास सीखने के परिणामों के अनुरूप विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक तकनीकों तक पहुंच हो।

खेल समाचार

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

बाबर बीबीएल से हटे, डेनियल ह्यूजेस शामिल

सिडनी। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) से हट गये है। बाबर बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स से खेल रहे थे। ऐसे में सिडनी सिक्सर्स ने बाबर की जगह पर डेनियल ह्यूजेस को शामिल किया है। टीम ने कहा कि बाबर फाइनल सीरीज के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम से खेलने की तैयारी के लिए पाकिस्तान लौट रहे हैं। ऐसे में उनकी जगह पर शामिल ह्यूजेस सीधे सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। सिक्सर्स ने कहा, आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले बाबर को पाकिस्तान बोर्ड ने नेशनल कैंप में शामिल होने के लिए वापस बुलाया था, इसी कारण उन्हें जाना पड़ रहा है। उनकी कमी बीबीएल 15 फाइनल सीरीज़ के शेष मैचों में रहेगी।। वहीं बाबर ने लीग में रहने के दौरान अपने समर्थन के लिए सभी प्रशंसकों का आभार जताया है। बाबर ने सोशल मीडिया में कहा, सबसे पहले मुझे अवसर देने के लिए सिडनी सिक्सर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी लड़कों और सभी कोचों के साथ मैंने अपने समय का बहुत आनंद लिया। हालांकि अब मुझे नेशनल ड्यूटी के लिए टीम छोड़नी पड़ रही है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे बहुत सी चीजें घर वापस ले जानी हैं। बहुत सी सकारात्मक बातें जिनका मैंने इसका बहुत आनंद लिया। सिडनी सिक्सर्स के प्रशंसकों को में धन्यवाद देता हूं। मैंने सिडनी क्रिकेट मैदान में उस माहौल का बहुत आनंद लिया, इसलिए बहुत-बहुत धन्यवाद। बाबर का प्रदर्शन लीग में कुछ खास नहीं रहा। वह 11 मैचों में केवल 202 रन ही बना पाये। उनका स्ट्राइक रेट केवल 103.06 का रहा।

एडम मिल्ने चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

एसए20 के दौरान चोटिल हुए, काइल जैमीसन न्यूजीलैंड टीम में शामिल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है। मिल्ने को यह चोट एसए20 लीग में पिछले रविवार एमआई केप टाउन के खिलाफ सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते हुए लगी थी। वे अपने पहले ही ओवर में चोटिल हो गए थे। बाद में स्कैन में चोट के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

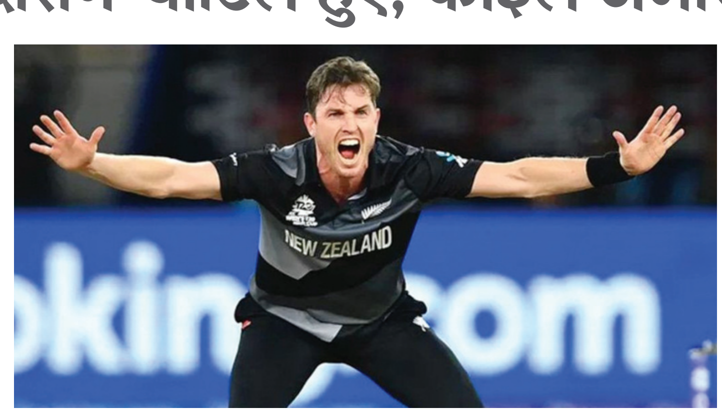

जैमीसन अभी भारत से सीरीज में टीम का हिस्सा : जैमीसन अभी भारत के खिलाफ चल रही सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा हैं। जैमीसन पहले वर्ल्ड कप स्क्वॉड में बतौर ट्रैवलिंग रिजर्व शामिल थे। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में वदलाव की डेड लाइन 31 जनवरी तक है। इसके बाद किसी भी रिप्लेसमेंट के लिए आईसीसी से मंजूरी लेनी होगी।

हम सब एडम के लिए दुखी

न्यूजीलैंड कोच न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उसने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने के लिए बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा था। यह एडम के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उसके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सिफर्ट और इश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे। न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा।

तिलक के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

नई दिल्ली। सर्जरी के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे तिलक वर्मा के टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। तिलक अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। तिलक ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके शीघ्र ही वापसी की उम्मीद जतायी है। तिलक का एक ऐसा ही वीडियो भी आया है। इसमें वह व्यायाम करते हुए दिखे हैं। इसमें उन्होंने लिखा, कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कमबैक सून। तिलक टी20 के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप के फाइनल में इस बल्लेबाज ने जबरदस्त पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। वहीं

पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को लाभ हुआ था। सीरीज में तिलक ने सबसे अधिक 187 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाये। तिलक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में 2 मैच भी खेले थे, जिसमें उन्होंने 109 और 34 रन बनाये थे। इसी दौरान उन्हें पेट में दर्द उठा था जिसके इलाज के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इस कारण से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर हो गये थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक नंबर तीन पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। विश्व कप में उनके रहने से भारतीय टीम को लाभ होगा। वह दबाव के हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। तिलक ने अब तक 40 मैचों की 37 पारियों में 49.29 की औसत से 1,183 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 144.09 है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं। उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 15 पारियों में 60.22 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके दोनों शतक तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ही आएं हैं।

रिंकू बेहतरीन फिनिशर, उन्हें लगातार अवसर दिये जायें : साइमन डूल

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने क्रिकेटर रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक बेहतरीन फिनिशर है पर उसे अभी तक भारतीय टीम में काफी कम अवसर मिले हैं। साइमन ने कहा कि जब भी अवसर मिला है रिंकू ने अपने को साबित किया है। रिंकू ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टी20 में केवल 20 गेंदों पर ही चार चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 44 रन बनाए। इसी को देखते हुए साइमन ने कहा कि रिंकू की क्षमता और निरंतरता को देखते हुए वह अब तक उन्हें काफी ज्यादा मैच खेल लेने थे। साथ ही कहा कि अब जबकि उनकी प्रतिभा सभी ने देखी है तब उन्हें नियमित रुप से टीम में जगह मिलनी चाहिए थी। साइमन ने रिंकू को अभी के समय के बेहतरीन फिनिशर्स में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि रिंकू ने आईपीएल में चार-पांच साल पहले ही अपनी प्रतिभा दिखा दी थी। अंतिम ओवरों में बड़े शॉट खेलने की उनकी क्षमता और दबाव में शांत रहने का स्वभाव उन्हें विशेष बनाता है। डूल का मानना है कि भारत ने रिंकू की प्रतिभा की क्षमताओं का अभी पूरा उपयोग नहीं किया है। साल 2023 में टी20 में डेब्यू करने के बाद से ही रिंकू ने अब तक केवल 36 अंतरराष्ट्रीय टी20 मुकाबले खेले हैं हालांक उन्होंने कई बार मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी उपयोगिता साबित की है।

गावस्कर ने वरुण ओर अभिषेक को सराहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा कि वरुण वास्तव में गेंदबाजी का जादूगर है। वह अपनी विविधताओं से भरी गेंदों से बल्लेबाजों को हैरान कर देता है। गावस्कर ने कहा, 'वरुण पहले मैच में थोड़ा कम लय में दिख रहा था पर इसके बाद भी उसने विकेट निकाल दिये। जब बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे तब भी उसकी इकॉनमी रेट काफी अच्छी रही थी। उसकी बॉडी लैंग्वेज भी गेंदबाजी के दौरान सकारात्क रही थी। उन्होंने कहा, 'जब भी उसकी गेंद पर रन जाते हैं तो उसका रुख बदल जाता है।

बड़े शॉट लगने पर भी वह संयम नहीं खोता जो अच्छा संकेत है। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह गेंदबाजी का जादूगर है। वह शानदार गेंदबाजी करता है। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज अभिषेक की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि जितनी गेंदों पर वह पचास रन बना देता है उतनी गेंदों में तो मैं अपना खाता ही खोल पाता था।

यूरोप में क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने ईटीपीएल लीग से जुड़े वॉ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ आज कल यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) टीम से जुड़ गये हैं। इसमें वॉ ने निवेश किया है। इस पर्व कप्तान का कहना है कि उनका लक्ष्य यूरोपीय महाद्वीप में क्रिकेट का विकास करने के साथ ही उसे लोकप्रिय बनाना। इस लीग में आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड सक्रिय रूप से शामिल होंगे, जबकि इसके मालिकों में दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई हॉकी ओलंपियन जेमी ड्वायेर, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज काइल मिल्स और शानदार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल शामिल हैं। इसी कारण वॉ भी इसमें शामिल हुए है। उन्होंने कहा , मेरे लिए, यूरोप क्रिकेट का आखिरी मोड़ है और इसीलिए मैं

इसमें शामिल हूं। उन्होंने कहा ईटीपीएल में शामिल होने का फैसला काफी सीधा था। व्यावसायिक दृष्टि से मैं रिटायर होने के बाद पिछले 25 सालों से व्यवसाय में शामिल रहा हूं। उन्होंने कहा , मैं पारंपरिक क्रिकेट के रास्ते पर नहीं गया। मैं अपने स्वयं के उद्यमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, जिसमें किताबें बेचना और लिखना शामिल है। यह मेरे लिए एक बड़ी चुनौती है। यह मैंने अब तक जो किया है, उससे थोड़ा अलग है, लेकिन मैं क्रिकेट में वापस आने का कोई कारण ढूंढ रहा था। वॉ पहले भी मेंटोर की भूमिका में रह रहे हैं लेकिन उनका मानना है कि ईटीपीएल कुछ अलग करने का अवसर देता है, जिससे खेल के लिए नए रास्ते खुल सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने पहले भी कुछ मेंटरिंग की है, लेकिन यह मुझे उत्साहित करता है। यह यूरोप में क्रिकेट के लिए एक नया रास्ता है। वैश्विक खेल को वहां ले जाना, उसका विस्तार करना और नए क्रिकेटर ढूंढना। मेरे लिए इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना सच में रोमांचक है।

बेटे अयान को मेरी पहली फिल्में बिल्कुल पसंद नहीं, बहुत आलोचना करता है : इमरान हाशमी

करियर के शुरुआती दौर में किसिंग किंग के तौर पर लेबल हुए एक्टर इमरान हाशमी ने बाद में अपनी विविधतापूर्ण किरदारों से यह छवि तोड़ दी और खुद को एक वर्सटाइल एक्टर के रूप में स्थापित कर दिया।

करियर के शुरुआती दौर में आप किसिंग किंग के तौर पर टाइपकास्ट कर दिए गए थे। मगर आपने उस इमेज को तोड़ा और अपनी वर्सिटिलिटी साबित की। अब बतौर कलाकार आप कितने संतुष्ट हैं?

मैं बहुत संतुष्ट हूं। पिछले 10-12 सालों में मेरा रास्ता पूरा बदल चुका है। इसमें ओटीटी का भी हाथ रहा, क्योंकि ओटीटी के आने के बाद इंडस्ट्री में ही एक पूरा 180 डिग्री का शिफ्ट आया है। ऑडियंस का टेस्ट, स्टोरी टेलिंग सब बदली है, जो हम एक्टर्स को ये ताकत देती है कि हम अपनी वर्सिटिलिटी दिखा सकें। हम एक्टर्स इसीलिए तो बने हैं। हालांकि, कुछ स्टार्स सालों तक उसी मोल्ड में वही कैरेक्टर्स करते रहते हैं, लेकिन ये उनकी चॉइस है। मैं हमेशा से अलग-अलग चीजें करना चाहता था। उस शुरुआती दस सालों में, उस टाइपकास्ट के जोन में भी मैंने अलग-अलग वैरिएशन लाने की कोशिश की, लेकिन बेसिक कैरेक्टर वही था तो संतुष्टि नहीं होती है। फिल्में भले चलती हैं लेकिन आपको खुद लगता है कि आप एक ही किरदार बार-बार कर रहे हैं। मतलब नींद में भी कर लो तो फिर मैंने ठान लिया कि वो नहीं करना है।

दावोस में पिकनिक मना रहे महाराष्ट्र सीएम? संजय राउत के तंज पर अमृता फडणवीस के बाद खुद 'देवाभाऊ' बोले

अच्छी बात ये रही कि फिल्ममेकर्स ने भी मुझ पर भरोसा जताया। आज मेरा फिल्म चुनने का बेंचमार्क यही होता है कि स्क्रिप्ट पढ़ते हुए अगर मुझे थोड़ा डर लगे कि मैं ये कर पाऊंगा या नहीं तो वो एक ग्रीन सिग्नल है कि ये निश्चित तौर पर करना चाहिए। जैसे, पिछली फिल्म 'हक' में बहुत ही जटिल किरदार था। नेगेटिव शेड था, पर वह असल में नेगेटिव नहीं है। उसकी परवरिश, उसकी कंडीशनिंग वैसी है। उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया क्योंकि वह बहुत कॉम्प्लेक्स किरदार था और मेरे व्यक्तित्व से बिल्कुल उल्टा था और किरदार आपसे जितना अलग होता है, उसके करीब पहुंचने में उतनी मेहनत लगती है। उतना ही मजा आता है।

उस दौर में आपको ये भी मलाल रहता था कि आप बेटे अयान को अपनी फिल्में नहीं दिखा पाते थे। अब वह टीनेजर हैं, अब उनकी आपके सिनेमा को लेकर क्या राय रहती है?

वह बहुत क्रिटिकल हैं और मैं इस चीज की हमेशा से बहुत कद्र करता हूं कि आपके करीबी, दोस्त आपकी परफॉर्मेंस पर खुलकर अपनी राय दे सकें। उन्होंने 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' देखी, चूंकि जेन जी वाला कॉन्टेंट था तो उनको बहुत पसंद आई। उन्होंने 'हक' भी देखी। हालांकि, वह एक मैच्योर लव स्टोरी है लेकिन उन्हें वह भी पसंद आई, मगर वह मेरे काम को लेकर क्रिटिकल हैं। वह एक नई पीढ़ी से हैं और आज की पीढ़ी के बच्चे बहुत ओपिनिएटेड हैं। उनकी अपनी राय है। पहले वाली फिल्मों की तो वह बहुत आलोचना करते हैं, क्योंकि वह आज की उस पीढ़ी से हैं, जहां चार साल की उम्र से उनके हाथ में आईपैड था, इंटरनेट था।

आपको भी उन पर गर्व होगा कि उन्होंने फिल्मी लेगेसी के आसान रास्ते के बजाय चेस को चुना है?

हां, अभी तो वो नॉन फिल्मी है। अभी तक तो उसने कभी कहा नहीं कि उसे इंडस्ट्री में आना है या फिल्में करनी है। वह अपने चेस कॉम्पिटिशन में खुश है। पढ़ाई में ध्यान दे रहा है। वैसे अभी तो सिर्फ 15 साल का है। अभी कॉलेज जाएगा तो अभी क्लैरिटी नहीं है कि आगे क्या करेगा।

अपनी नई सीरीज 'तस्करी' में आप कस्टम ऑफिसर के रूप में खासे नैचरल लगे हैं। इस रोल के लिए किस तरह रिसर्च की?

सच कहूं तो नीरज पांडे और राघव जयरथ (निर्देशक) की टीम ने कस्टम को लेकर काफी रिसर्च की थी कि किस तरह तस्करी होती है। सारा मटीरियल स्क्रिप्ट में था जो मुझे बड़ा रोचक लगा था। फिर भी मैंने कुछ कस्टम ऑफिसर से बात की। बाकी, मैं सालों से ट्रैवल कर रहा हूं तो दिमाग में बातें चली जाती है कि एक्सरे मशीन पर लोग कैसे चेक करते हैं? कनवेयर बेल्ट पर कैसे ध्यान देते हैं तो इस सबसे भी मदद मिली।

आर्यन खान की वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में आपका छोटा सा कैमियो खूब वायरल हुआ। आपको लगा था कि वो इतना पसंद किया जाएगा? आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

मुझे नहीं लगता कि किसी को भी अंदाजा था कि ऐसा होगा। हां, सीन बढ़िया था। वैसे, यह सीन पहले अलग होने वाला था। पहले सीन ये था कि मैं एक प्रीमियर पर हूं और राघव मेरा बड़ा फैन होगा। फिर दो महीने पहले आर्यन और बिलाल ने इसे इंटीमेसी कोच वाला स्पिन दिया। उन्होंने मुझे आइडिया सुनाया जो मुझे बहुत पसंद आया। उन्होंने शाहरुख (खान) सर को भी सुनाया। उन्हें भी अच्छा लगा तो मेरे हिसाब से ये इंटीमेसी कोच वाला एंगल मास्टर स्ट्रोक था लेकिन वायरल वाली चीज तो बस हो गई। मुझे भी बहुत हैरानी हुई। वैसे मैं इन चीजों से थोड़ा डिटैच रहता हूं। हालांकि, ऐसा नहीं है कि मुझे अच्छा नहीं लगता। मुझे भी खुशी होती है पर मैं सोशल मीडिया पर इतना ऐक्टिव नहीं हूं। मुझे तो प्लैटफॉर्म वालों ने फोन करके बताया कि वो सीन इतना वायरल हो गया है।

फिल्म रिव्यू- 'बॉर्डर 2': सनी देओल की एक्टिंग से लेकर एक्शन तक सब दमदार

1971 के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी बॉर्डर 2 सिर्फ एक युद्ध फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सेनाओं के साहस, बलिदान और टीमवर्क की कहानी है। यह फिल्म पहली बॉर्डर की विरासत को आगे बढ़ाते हुए कहानी का स्केल बड़ा करती है और यह दिखाती है कि वह जंग सिर्फ लोंगेवाला तक सीमित नहीं थी, बल्कि जमीन, हवा और समुद्र तीनों मोर्चों पर लड़ी गई थी। कहानी में इमोशन भी है और गंभीरता भी। यह सिर्फ गोलियों और धमाकों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सैनिकों के अंदर चल रहे डर, भरोसे और जिम्मेदारी के एहसास को भी सामने लाती है। कुछ सीन्स थोड़े लंबे जरूर हैं, लेकिन वे कहानी को और गहराई देते हैं और दर्शक को आखिर तक जोड़े रखते हैं।

फिल्म की कहानी : फिल्म की कहानी कई मोर्चों पर एक साथ चलती है। अलग-अलग इलाकों में तैनात भारतीय सैनिक, अलग-अलग हालात, लेकिन एक ही लक्ष्य देश की रक्षा। फिल्म यह दिखाती है कि कैसे पाकिस्तान ने कई दिशाओं से हमला करने की कोशिश की और कैसे भारतीय सैनिकों की समझदारी, रणनीति और हिम्मत

के आगे हर कोशिश नाकाम हो गई। कहानी में इमोशन भी है और गंभीरता भी। यह सिर्फ गोलियों और विस्फोटों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सैनिकों के भीतर चल रहे डर, भरोसे और कर्तव्य को भी सामने लाती है। कुछ सीन्स थोड़े लंबे जरूर हैं, लेकिन वे कहानी की भावना को गहराई देते हैं और दर्शक को अंत तक बांधे रखते हैं।

फिल्म में एक्टिंग : सनी देओल पूरी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत हैं। उनकी डायलॉग डिलीवरी इतनी दमदार है कि कई मौकों पर तालियां और सीटियां बजने पर मजबूर हो जाती हैं। उनका आक्रामक अंदाज, आंखों में दिखता जुनून और देशभक्ति का जोश फिल्म को ऊंचाई देता है। यह सनी देओल अपने पूरे रंग में नजर आते हैं। दिलजीत दोसांझ फिल्म की आत्मा हैं। गंभीर और तनावपूर्ण सीन्स में भी वह अपनी सहज एक्टिंग और हल्के हास्य से माहौल को संतुलित रखते हैं। उनका किरदार मानवीय लगता है और युद्ध की कठोरता के बीच एक अपनापन पैदा करता है। वरुण धवन सधे हुए और गंभीर रूप में नजर आते हैं। उन्होंने अपने किरदार को बिना शोर के मजबूती दी है और भावनात्मक सीन्स में असर छोड़ा है। अहान शेट्टी का रोल भले ही छोटा हो, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस ध्यान खींचती है। स्क्रीन पर उनका जोश और ईमानदारी साफ नजर आती है। फिल्म की फीमेल करेक्टर्स की मौजूदगी सीमित है, जो थोड़ी कमी लगती है, लेकिन इसकी वजह यह है कि कहानी पूरी तरह युद्ध और सैनिकों के नजरिए पर फोकस रखती है।

फिल्म में डायरेक्शन और राइटिंग : अनुराग सिंह का डायरेक्शन बैलेंस्ड है। उन्होंने इमोशन, डायलॉग्स और वॉर सीन्स के बीच अच्छा तालमेल बनाया है। राइटिंग में देशभक्ति है, लेकिन ओवरड्रामैटिक नहीं। कई डायलॉग्स सीधे दिल पर असर छोड़ते हैं और कहानी को मजबूती देते हैं।

फिल्म में सिनेमैटोग्राफी और साउंड : फिल्म की सिनेमैटोग्राफी ग्रैंड है। वॉर जोन, धमाके और सैनिकों की मूवमेंट को बहुत असरदार तरीके से दिखाया गया है। साउंड डिजाइन भी स्ट्रॉन्ग है, जो हर सीन का इम्पैक्ट और रोमांच बढ़ा देता है।

फिल्म का संगीत : संगीत भावनाओं का साथ देता है। पुराने यादगार गानों की विरासत को छूना आसान नहीं था, फिर भी नए गाने कहानी के मूड के मुताबिक हैं। कुछ गाने दिल को छूते हैं, हालांकि पहले जैसी गहरी छाप छोड़ना स्वाभाविक रूप से कठिन था। बॉर्डर की तुलना में कैसी है बॉर्डर 2 बॉर्डर 2 की कहानी और सिनेमैटोग्राफी पहली बॉर्डर से ज्यादा बड़ी और आधुनिक नजर आती है। जहां बॉर्डर लोंगेवाला की जंग पर फोकस थी, वहीं बॉर्डर 2 जमीन, हवा और समुद्र तीनों मोर्चों को दिखाती है। सनी देओल की एक्टिंग इस बार और ज्यादा दमदार है, खासकर एक्शन सीन्स पहले से ज्यादा शार्प और इंटेंस लगते हैं।

कृष्णम राजू की मौजूदगी ही कहानी को पहुंचा देती थी अलग ऊंचाई पर

दमदार, बेबाक और विद्रोही किरदारों की बात आती है तो साउथ सिनेमा के दिवंगत अभिनेता कृष्णम राजू का नाम सबसे पहले लिया जाता है। अभिनेता की पर्दे पर मौजूदगी ही कहानी को एक अलग ऊंचाई पर पहुंचा देती थी। यही वजह थी कि दर्शकों ने उन्हें प्यार से 'रिबेल स्टार' का खिताब दिया। अपने सशक्त अभिनय और प्रभावशाली व्यक्तित्व के बल पर उन्होंने सिनेमा जगत में एक ऐसी पहचान बनाई, जो आज भी याद की जाती है। अभिनय, निर्माण और राजनीति तीनों ही क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले 'रिबेल स्टार' कृष्णम राजू भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विरासत साउथ सिनेमा के इतिहास में हमेशा जीवित रहेगी। करीब पांच दशकों से भी लंबे करियर में कृष्णम राजू ने 183 से अधिक फिल्मों में काम किया। सामाजिक विषयों से लेकर रोमांटिक ड्रामा, धार्मिक आस्था से जुड़ी कहानियों और ऐतिहासिक किरदारों तक,

उन्होंने हर शैली में खुद को साबित किया। उनकी फिल्मों में अभिनय सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बनकर उभरता था। खास तौर पर 'भक्त कन्नप्पा' और 'तंद्रा पपरायुडु' जैसी फिल्मों ने उन्हें घर-घर तक पहचान दिलाई और उन्हें साउथ सिनेमा का एक आइकॉन बना दिया। 20 जनवरी 1940 को आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के मोगाल्तुरु गांव में जन्मे कृष्णम राजू ने साल 1966 में फिल्म 'चिलाका गोरिंका' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इस फिल्म को नंदी अवॉर्ड भी मिला। शुरुआती दौर में उन्होंने नायक और खलनायक दोनों तरह के किरदार निभाए, लेकिन जल्द ही उनकी छवि एक मजबूत, सशक्त और विद्रोही नायक के रूप में स्थापित हो गई। यही छवि आगे चलकर उनकी पहचान बन गई। अपने शानदार करियर के दौरान कृष्णम राजू को 5 फिल्मफेयर साउथ अवॉर्ड और 4 नंदी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 'अमारा दीपम', 'सीता रामुलु', 'कटकताला रुद्रैया', 'भक्त कन्नप्पा' और 'तंद्रा पपरायुडु' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय आज भी मिसाल माना जाता है। 'तंद्रा पपरायुडु' के लिए उन्हें 1986 में फिल्मफेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड मिला, जबकि 2006 में उन्हें फिल्मफेयर साउथ लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कृष्णम राजू केवल अभिनेता ही नहीं, बल्कि सफल निर्माता भी थे। उन्होंने 'गोपी कृष्णा मूवीज' बैनर के तहत कई फिल्मों का निर्माण किया।

रहमान के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया : इम्तियाज अली

ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान के एक विवादित बयान को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी सिंगर पर जमकर निशाना साधा। हालांकि, इस विवाद के बीच कुछ लोग उनके समर्थन में भी सामने आए। लेखक और गीतकार वरुण ग्रोवर ने रहमान के पक्ष में बात रखी और कहा कि उनके शब्दों को संदर्भ से अलग करके देखा जा रहा है। अब वरुण ग्रोवर के बाद मशहूर फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली ने भी एआर रहमान का खुलकर बचाव किया है। इम्तियाज अली, जिन्होंने कई फिल्मों में रहमान के साथ काम किया है, का कहना है कि संगीतकार के बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। उनके मुताबिक, एआर रहमान की बातों का वह मतलब बिल्कुल नहीं था, जैसा लोगों द्वारा निकाला जा रहा है। इम्तियाज अली ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि फिल्म इंडस्ट्री में किसी भी तरह का सांप्रदायिक भेदभाव मौजूद है। वह लंबे समय से इस इंडस्ट्री का हिस्सा हैं और अपने अनुभव में उन्होंने कभी ऐसी सोच या व्यवहार नहीं देखा। उनके अनुसार, एआर रहमान इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन और प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक हैं और उनके नाम से जो बातें जोड़ी जा रही हैं, वे या तो कही ही नहीं गईं या फिर उन्हें गलत संदर्भ में पेश किया गया है। इम्तियाज ने यह भी कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि लोगों ने रहमान के बयान को सही ढंग से समझने की कोशिश नहीं की। इम्तियाज अली और एआर रहमान की जोड़ी 'रॉकस्टार', 'हाईवे', 'तमाशा' और हालिया फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों में यादगार संगीत दे चुकी है। निर्देशक का मानना है कि रहमान जैसा बड़ा और सम्मानित कलाकार भारतीय संगीत इंडस्ट्री में शायद ही कोई दूसरा हो। विवाद बढ़ता देख एआर रहमान ने खुद भी सामने आकर सफाई दी। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर कहा कि उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।

1 फरवरी से शुरू होगा नया रियलिटी शो 'द 50' : 50 कंटेस्टेंट्स खेलेंगे 50 दिन सर्वाइवल गेम, देखें घर का पहला हाउस टूर

1 फरवरी 2026 से कलर्स टीवी और जियो हॉटस्टार पर शुरू होने वाला नया रियलिटी शो 'द 50' दर्शकों को एक बिल्कुल अलग दुनिया में ले जाएगा। यह शो फ्रेंच सुपरहिट रियलिटी शो लेस सिंक्वांटे से प्रेरित है और इसे भारत में एक नए अंदाज में पेश किया जा रहा है।

लायन करेगा खेल का संचालन : इस शो की सबसे बड़ी खासियत है 'लायन', जो पूरे गेम का संचालन करेगा। 50 कंटेस्टेंट्स लायन के इशारों पर खेलेंगे, रणनीति बनाएंगे और सर्वाइवल के लिए लड़ेंगे। लायन का डेन महल का सबसे ताकतवर और रहस्यमयी हिस्सा है, जहां से वह कंटेस्टेंट्स को नए-नए सरप्राइज गेम्स देगा। महल के अंदर हर जगह जानवरों के प्रतीक नजर आते हैं।

शेर, लोमड़ी, चीता, भालू और अन्य जानवरों की मूर्तियां और डिजाइन यह याद दिलाते हैं कि यह सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट का खेल है। यहां दोस्ती भी होगी, धोखेबाजी भी, और हर पल नई रणनीतियां बनेंगी।

एरीना: जहां होगी असली परीक्षा : महल का सबसे खतरनाक हिस्सा है एरीना, जहां फिजिकल और मेंटल दोनों तरह के गेम्स होंगे। यह एरिया स्क्विड गेम की याद दिलाता है, लेकिन यहां मौत नहीं, बल्कि बुद्धि और स्ट्रेटजी की लड़ाई होगी। जो कंटेस्टेंट्स यहां हारेंगे, उन्हें भेजा जाएगा अनसेफ जोन में, जहां आगे का फैसला लायन करेगा।

अनसेफ जोन: खतरे की घंटी : अनसेफ जोन शो का सबसे डरावना हिस्सा है। यहां पहुंचना मतलब एलिमिनेशन का खतरा। भले ही यह जगह देखने में खूबसूरत हो, लेकिन यहां बैठने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए समय बेहद मुश्किल होगा। यही वह जगह है जहां गेम का रुख बदल सकता है।

रॉयल लेकिन वाइल्ड महल : 'द 50' का महल राजस्थान की कारीगरी और जंगल की थीम का अनोखा मेल है। लकड़ी की नक्काशी, शेर के मुखौटे, झूमर, गैलरी और हर कोने में एनिमल किंगडम की झलक मिलती है। महल के अलग-अलग हिस्सों में सिटिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां कंटेस्टेंट्स बातचीत करेंगे, दोस्ती करेंगे और चालें चलेंगे। बेडरूम और लिविंग एरिया इस शो में कंटेस्टेंट्स को आम रियलिटी शोज की तरह एक बड़े हॉल में नहीं सुलाया जाएगा। यहां अलग-अलग बेडरूम्स हैं, जिनमें तीन से चार बेड लगे हैं। हर कमरे का रंग और थीम अलग है, कहीं ग्रीन टोन तो कहीं एक्वा ब्लू। हर जगह कैमरे लगे हैं, जो 24 घंटे कंटेस्टेंट्स की हर चाल पर नजर रखेंगे। किचन नहीं, बुफे एरिया 'द 50' में किचन नहीं होगा। लायन को अपने साम्राज्य में गंदगी पसंद नहीं है। इसलिए कंटेस्टेंट्स को खाना बुफे एरिया में मिलेगा। यहां भी रणनीति और बातचीत होगी, लेकिन किचन पॉलिटिक्स नहीं। कोई फिक्स नियम नहीं इस शो का सबसे बड़ा ट्विस्ट है कि इसमें कोई तय नियम नहीं होंगे। एलिमिनेशन वोटिंग से नहीं, बल्कि स्ट्रेटजी और सोशल इंटेलिजेंस से होगा। गेम पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल रहेगा। जियो हॉटस्टार पर शो देखने वाले दर्शक अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट्स को सपोर्ट कर सकेंगे। अगर उनका सपोर्ट किया गया कंटेस्टेंट जीतता है, तो दर्शक भी इनाम का हिस्सा बन सकते हैं।

जावेद ने बताया, क्यों ठुकराया था 'बॉर्डर 2' के लिए गीत लिखने का प्रस्ताव

बॉलीवुड के मशहूर गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने फिल्म 'बॉर्डर 2' से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है, जिसने फैंस को चौंका दिया है। जावेद अख्तर ने बताया कि उन्हें 'बॉर्डर 2' के लिए गीत लिखने का प्रस्ताव मिला था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। दरअसल, 1997 की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' के लिए 'संदेशे आते हैं' और 'कर

चले हम फिदा' जैसे अमर गीत जावेद अख्तर ने ही लिखे थे। यही कारण है कि दर्शकों को उम्मीद थी कि सीक्वल में भी वही रचनात्मक टीम नजर आएगी। हालांकि, जावेद अख्तर ने साफ शब्दों में इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि पुराने हिट गानों को थोड़ा बदलकर दोबारा पेश करना उन्हें बौद्धिक और रचनात्मक रूप से दिवालियापन जैसा लगता है। जावेद अख्तर का मानना है कि जब नई फिल्म बनाई जा सकती है तो नए गीत क्यों नहीं रचे जा सकते। उन्होंने कहा कि पुराने गानों की सफलता को भुनाने के बजाय नई सोच और नए शब्दों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि 1964 की फिल्म 'हकीकत' में भी बेहतरीन देशभक्ति गीत थे, लेकिन इसके बावजूद 'बॉर्डर' के लिए पूरी तरह नए गाने लिखे गए, जिन्हें लोगों ने खूब सराहा।

केंद्रीय मंत्री से स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने पर चर्चा की विक्रांत ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की, जिसमें स्कूली शिक्षा को और बेहतर, प्रभावी और समृद्ध बनाने को लेकर गंभीर और सार्थक बातचीत हुई। इस मुलाकात को दोनों पक्षों ने बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया है। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि शिक्षा, संघर्ष, ईमानदारी और मेहनत जैसे विषयों को सशक्त तरीके से सामने लाने के कारण समाज में गहरी छाप छोड़ गई। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

रायपुर में 34वां वार्षिक अलौकिक कीर्तन समागम शुरू

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित 34वां सालाना अलौकिक कीर्तन समागम का भव्य आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गुरु नानक नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) में किया जा रहा है। यह चार दिवसीय धार्मिक आयोजन 23, 24, 25 एवं 26 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस पावन अवसर पर देश-विदेश से पधारे प्रख्यात रागी जत्थे एवं कीर्तनकार गुरबाणी की मधुर एवं अलौकिक कीर्तन प्रस्तुति देंगे। समागम के माध्यम से गुरु साहिबान की शिक्षाओं, शहादत और मानवता के संदेश को संगत तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशेष रूप से ज्ञानी हरपाल सिंह जी (फ़तेहगढ़ साहिब वाले) एवं भाई हरइकबाल सिंह जी वाली (मुंबई वाले) भाई अमरजीत सिंह जी पटियाला वाले, भाई सुखजिंदर सिंह जी, भाई राय सिंह जी, भाई दविंदर सिंह जी, भाई कमलजीत सिंह जी हजूरी रागी जथा दरबार साहिब, भाई गुरविंदर सिंह जी रुद्रपुर वाले के साथ भाई अमरीक सिंह हेड ग्रंथी गुरुद्वारा गुरु नानकनगर, भाई मनदीप सिंह तथा भाई मनप्रीत सिंह सहित अनेक सम्मानित संत-महापुरुष एवं कीर्तनकार उपस्थित रहेंगे, जो संगत को गुरबाणी विचार और कथा कीर्तन से निहाल करेंगे।

आयोजन की शुरुआत 23 जनवरी की शाम से होगी और 26 जनवरी 2026 तक निरंतर गुरु का लंगर एवं कीर्तन दीवान आयोजित किए जाएंगे। समस्त कार्यक्रम गुरु मर्यादा के अनुसार संपन्न होंगे। इस अलौकिक कीर्तन समागम का आयोजन अलौकिक कीर्तन समागम सोसायटी (रजि.), गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, समूह साध संगत तथा शहीद भाई तारू सिंह फ़ाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने छत्तीसगढ़ सहित देशभर की समस्त साध संगत से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें और गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत से प्रेरणा लें।

// न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग. //
रा.प्र.क्र. 202601100900046
अ-6 वर्ष 2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एंव ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सुचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदकगण राजू वाधवानी पिता स्व. गोविन्द राम वाधवानी अन्य 02 निवासी शिवनगर, बढ़ईपारा, रायपुर द्वारा ग्राग सांकरा प.ह.नं. 06, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 107/4 रकबा 0.01 हे. भूमि में दर्ज भूमिस्वामी चन्द्रकुमार की मृत्यु दिनांक 10.02.2025 को हो जाने से फौती नामांतरण दर्ज किये जाने प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदकगण राजू वाधवानी पिता स्व. गोविन्द राम वाधवानी अन्य 02 निवासी शिवनगर, बढ़ईपारा, रायपुर द्वारा प्रस्तुत आवेदन उपरोक्तानुसार नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 09.02.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21.01.2026 को जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(4th Call)

NIT NO:1528/ RAIPUR DATED: 16/01/2026

Online bids are invited for the following work of works up to 02.02.2026 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate (in Lakh)
1	183959	शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड क्रमांक 63 अंतर्गत टिकरापारा सुदामा नगर 2 में आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य।	11.69 (Lakh)
2	183965	शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड क्रमांक 63 अंतर्गत टिकरापारा, सतबहनिया मंदिर के पास आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य।	11.69 (Lakh)

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 16.01.2026, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.

2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID-helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

ZONE COMMISSIONER
(ZONE NO. 06)
MUNICIPAL CORPORATION,
RAIPUR (C.G.)

रायपुर जिला महिला अग्रवाल संगठन की बालोद-तांदुला पिकनिक संपन्न

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर जिला महिला अग्रवाल संगठन द्वारा आज एक दिवसीय भव्य पिकनिक सह आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। यह पूरा कार्यक्रम संगठन की अध्यक्षा प्रियंका अग्रवाल की अध्यक्षता में अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस सफल आयोजन को सुव्यवस्थित करने में हेमलता जी बंसल का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा, वहीं कोषाध्यक्ष संतोष दिनोदिया ने प्रबंधन की कमान संभाली।

आध्यात्मिक दर्शन एवं पूजा-अर्चना

यात्रा की शुरुआत भक्तिमय वातावरण में हुई। संगठन की 35 महिलाओं ने सबसे पहले बालोद स्थित जलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके उपरांत सभी सखियाँ छत्तीसगढ़ के विश्व प्रसिद्ध गंगा मैया मंदिर (झलमला) पहुंचीं, जहाँ माता की सामूहिक आरती कर समाज की सुख-समृद्धि की मंगल कामना की गई।

तांदुला डैम में कान्हा जी संग नौका विहार

धार्मिक दर्शन के पश्चात सभी सदस्य तांदुला डैम पहुंचे। इस पिकनिक का सबसे सुंदर और भावुक पल वह था जब अध्यक्षा प्रियंका अग्रवाल और हेमलता बंसल के साथ सभी बहनों ने अपने प्रिय कान्हा जी (लड्डू गोपाल) को नाव में विराजित कर नौका विहार का आनंद लिया। डैम की लहरों के बीच कान्हा जी के भजनों ने पूरे वातावरण को आनंदमयी बना दिया।

मनोरंजन: खेल, हौजी और अंताक्षरी

तांदुला के खूबसूरत नजारों के बीच महिलाओं के लिए कई मनोरंजक प्रतियोगिताएं रखी गईं। चाय और स्वादिष्ट स्नैक्स के साथ सभी बहनों ने हौजी (तंबोला) और अंताक्षरी के खेल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान नीलम, नीतू, अंजू, सुश।

लाला जगदलपुरी मण्डप में समकालीन महिला लेखन पर सार्थक परिचर्चा

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर साहित्य उत्सव के पहले दिन लाला जगदलपुरी मण्डप में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम के प्रथम सत्र में ऊसमकालीन महिला लेखनऊ विषय पर गहन एवं सार्थक परिचर्चा संपन्न हुई। इस सत्र में सुश्री इंदिरा दांगी, सुश्री श्रद्धा थवाईत, सुश्री जया जादवानी तथा सुश्री सोनाली मिश्र ने सहभागिता करते हुए महिला लेखन की बदलती भूमिका और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।

वक्ताओं ने कहा कि समकालीन महिला लेखन अब भावनाओं की अभिव्यक्ति के साथ ही समाज के यथार्थ, संघर्ष, असमानताओं और संवेदनाओं को सशक्त रूप में सामने लाने का माध्यम बन चुका है। आज का स्त्री लेखन आत्मकथात्मक होने के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन को भी प्रतिबिंबित कर रहा है, जो पाठक को सोचने और प्रश्न करने के लिए प्रेरित करता है। परिचर्चा के दौरान महिला सशक्तिकरण, समानता, सामाजिक न्याय और बदलते पारिवारिक व सामाजिक ढांचे जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि महिला लेखन ने साहित्य में नई भाषा, नए अनुभव और नए सरोकार जोड़े हैं, जिससे साहित्य अधिक समावेशी और यथार्थपरक बना है।

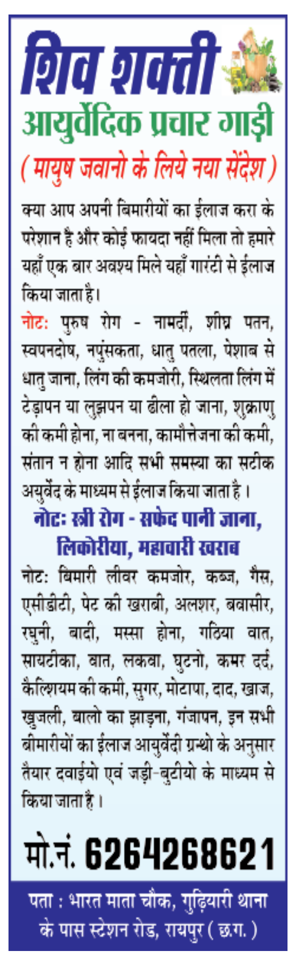

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेबीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया

ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह है

शास्त्रीय भाषाओं में जमा ज्ञान का भंडार हमें अपने समृद्ध अतीत से सीखने और उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करता है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (23 जनवरी, 2025) राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं - तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला में पांडुलिपियों और किताबों का समृद्ध संग्रह है।

ग्रंथ कुटीर भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इस कुटीर में भारत की 11 भारतीय शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह है। भारत सरकार ने 3 अक्टूबर, 2024 को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। इससे पहले, छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त था। ग्रंथ कुटीर संग्रह में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों के साथ-साथ इन भाषाओं में भारत का संविधान भी शामिल है। संग्रह में लगभग 50 पांडुलिपियां भी शामिल हैं। इनमें से कई पांडुलिपियां ताड़ के पत्ते, कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हाथ से लिखी गई हैं।

ग्रंथ कुटीर को केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों और देश भर के व्यक्तिगत दानदाताओं के सहयोग से विकसित किया गया है। शिक्षा मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय और उनसे जुड़े संस्थानों ने इस पहल का समर्थन किया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) पांडुलिपियों के प्रबंधन, संरक्षण, प्रलेखन और प्रदर्शन में पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है। ग्रंथ कुटीर को विकसित करने का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है। औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को खत्म करने के राष्ट्रीय संकल्प के तहत, ग्रंथ कुटीर को प्रमुख रचनाओं के माध्यम से समृद्ध विरासत को दिखाने और विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। ग्रंथ कुटीर ज्ञान भारतम मिशन के विज़न को समर्थन देने का प्रयास है। यह भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने, डिजिटाइज़ करने और फैलाने की राष्ट्रीय पहल है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ती है।

पहले, विलियम होगार्थ की मूल रचनाओं की एक कैटलॉग, लॉर्ड कर्जन ऑफ़ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्जन ऑफ़ केडलस्टन के प्रशासन का सारांश, लॉर्ड कर्जन का जीवन, पंच पत्रिकाएँ और अन्य पुस्तकें यहाँ रखी थीं। इन्हें अब राष्ट्रपति भवन परिसर के अंदर अलग स्थान पर ले जाया गया है। ये पुस्तकें अभिलेखीय संग्रह का हिस्सा हैं, उन्हें डिजिटाइज़ किया गया है और शोधकर्ताओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा।

आगंतुक राष्ट्रपति भवन सर्किट 1 के अपने गाइडेड टूर के दौरान रचनाओं और पांडुलिपियों की झलक देख पाएंगे। साथ ही, लोग संग्रह की जानकारी एक्सेस कर सकते हैं और पुस्तकें और पांडुलिपियाँ पढ़ सकते हैं जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध होंगी। शोधकर्ता ग्रंथ कुटीर तक फिजिकल एक्सेस के लिए पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

कुछ प्राचीन रचनाएँ जिन्होंने इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने में योगदान दिया है, वे हैं संस्कृत में वेद, पुराण और उपनिषद; गाथासप्तशती, सबसे पुरानी ज्ञात मराठी साहित्यिक कृति; पाली में विनय पिटक जो बौद्ध भिक्षुओं के लिए मठवासी नियमों की रूपरेखा बताता है; जैन आगम और प्राकृत शिलालेख जो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रिकॉर्ड के रूप में काम करते हैं; चर्यापद, असमिया, बांग्ला और उड़िया में प्राचीन बौद्ध तांत्रिक ग्रंथ; तिरुक्कुरल, जीवन के विभिन्न पहलुओं पर क्लासिक तमिल ग्रंथ; तेलुगु में महाभारत; कन्नड़ में अलंकार, काव्यशास्त्र और व्याकरण पर सबसे पुरानी उपलब्ध कृति कविराजमार्ग और मलयालम में रामचरितम।

भारत की राष्ट्रपति ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, जिसे पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है, के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कोलकाता में पराक्रम दिवस समारोह में शामिल हुए

आराम से ऊपर सम्मान और भय से ऊपर स्वतंत्रता - यही नेताजी के जीवन की परिभाषा थी: उपराष्ट्रपति

- **उपराष्ट्रपति ने विक्टोरिया मेमोरियल में नेताजी पर पुस्तक का विमोचन किया और आईएनए की विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की**

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में शामिल हुए।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पराक्रम दिवस केवल नेताजी को श्रद्धांजलि मात्र नहीं है, बल्कि पीढ़ियों तक साहस का संचार है। उन्होंने नेताजी द्वारा आराम को त्यागने के सचेत निर्णय को याद किया। इसमें भारतीय सिविल सेवा में एक प्रतिष्ठित पद को अस्वीकार करना और राष्ट्र की पूर्ण स्वतंत्रता के लिए उच्च पद का त्याग करना शामिल है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने आज़ाद हिंद फौज को संगठित करके और अनगिनत भारतीयों को सुरक्षा से ऊपर सम्मान और भय से ऊपर स्वतंत्रता को रखने के लिए प्रेरित करके भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में एक वैकल्पिक मार्ग प्रशस्त किया। उपराष्ट्रपति ने नेताजी के देश के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से दक्षिण भारत से गहरे जुड़ाव को रेखांकित किया और तमिलनाडु के कई जिलों के आईएनए सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि नेताजी का जीवन और आदर्श युवाओं को भय से ऊपर उठने, राष्ट्र के भविष्य की जिम्मेदारी लेने और प्रधानमंत्री द्वारा व्यक्त किए गए दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर सी.वी. आनंद बोस की पुस्तक ₹पिताजी की यादें₹ का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के व्यक्तिगत संस्मरण और लेखन विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए नेताजी के जीवन और विरासत को समझने में एक मूल्यवान मानवीय आयाम जोड़ते हैं।

समारोह में संस्कृति मंत्रालय की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल थीं। यह नेताजी के ₹जय हिंद₹ के आह्वान और भारत की राष्ट्रीय चेतना पर उनके अमिट प्रभाव को दर्शाती हैं।

उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस से जुड़ी दुर्लभ और महत्वपूर्ण यादगार वस्तुओं की एक विशेष प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। प्रदर्शनी में नेताजी का फाउंटेन पेन, उनकी शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण पत्र और भारतीय राष्ट्रीय सेना के पदक शामिल थे। यह नेताजी के जीवन, आदर्शों और बलिदानों की जीवंत झलक प्रस्तुत करते हैं। उपराष्ट्रपति ने इन यादगार वस्तुओं को देश के स्वतंत्रता संग्राम को आकार देने वाले साहस, अनुशासन और अदम्य भावना के गवाह बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी कलाकृतियों का न केवल ऐतिहासिक महत्व है, बल्कि ये एक महत्वाकांक्षी राष्ट्र की धड़कन भी हैं।

इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस; राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद के महानिदेशक अरिजीत दत्ता चौधरी; विक्टोरिया मेमोरियल हॉल के सचिव अनुराग कुमार; भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के निदेशक सायन भट्टाचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

ट्राई ने "घरेलू लीज्ड सर्किट के लिए टैरिफ की समीक्षा" पर एक परामर्श पत्र जारी किया

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आज ₹घरेलू लीज्ड सर्किट के लिए टैरिफ की समीक्षा₹ शीर्षक से एक परामर्श पत्र जारी किया।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 की धारा 11(2) के अंतर्गत ट्राई को विभिन्न दूरसंचार सेवाओं के लिए दरें अधिसूचित करने का अधिकार है। इन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ट्राई डीएलसी के लिए अधिकतम टैरिफ अधिसूचित करता है और इस संबंध में अंतिम अधिसूचना टीटीओ (57वां और 58वां संशोधन) 2014 है। इस परामर्श पत्र का प्राथमिक उद्देश्य मौजूदा बाजार स्थितियों और तकनीकी प्रगति के अनुरूप मौजूदा डीएलसी सीलिंग टैरिफ ढांचे की समीक्षा के संबंध में हितधारकों की टिप्पणियां प्राप्त करना है, जिसका समग्र उद्देश्य डीएलसी बाजार में पारदर्शिता एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और विभिन्न क्षेत्रों एवं उपयोगकर्ताओं की श्रेणियों में डीएलसी तक समान एवं सस्ते पहुंच को आसान बनाना है। प्रस्तावित अधिकतम टैरिफ समीक्षा में डीएलसी के विकास पर भी ध्यान केंद्रीत किया गया है, जिसमें पी2पी और वीपीएन-आधारित डीएलसी दोनों शामिल हैं, जो बैंडविड्थ, अपटाइम, लेटेंसी आदि जैसी विभिन्न सेवा प्रतिबद्धताओं को वहन करने वाली एक प्रबंधित सेवा है।

इस संबंध में, संबंधित विषय पर हितधारकों की राय एकत्रित करने के लिए 29 अप्रैल 2025 को एक पूर्व-परामर्श पत्र जारी किया गया था। पूर्व-परामर्श पत्र पर हितधारकों से प्राप्त सुझावों एवं ट्राई के विश्लेषण के आधार पर, ₹घरेलू लीज्ड सर्किट (डीएलसी) के लिए टैरिफ की समीक्षा पर परामर्श पत्र₹ ट्राई की वेबसाइट (www.trai.gov.in) पर उपलब्ध कराया गया है। हितधारकों से अनुरोध किया गया है।

प्रधानमंत्री ने नारायण धर्म संघम ट्रस्ट से जुड़े स्वामी जनों से की भेंट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वर्कला स्थित शिवगिरी मठ में नारायण धर्म संघम ट्रस्ट से जुड़े स्वामी जनों से भेंट की।

इस संवाद के दौरान, प्रधानमंत्री ने सामाजिक सेवा, शिक्षा, आध्यात्मिकता एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्रों में स्वामी जनों के समर्पित कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वामी जनों के प्रयासों ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में स्थायी एवं अमिट योगदान दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नारायण गुरु के शाश्वत आदर्शों से प्रेरित ट्रस्ट की पहल समाज में समानता, सद्भाव और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने का कार्य निरंतर कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा;

"वर्कला स्थित शिवगिरी मठ में नारायण धर्म संघम ट्रस्ट से जुड़े हुए स्वामी जनों से आज भेंट करने का का अवसर प्राप्त हुआ। सामाजिक सेवा, शिक्षा, आध्यात्मिकता एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्रों में उनके समर्पित कार्यों ने हमारे सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ करते हुए अमिट योगदान दिया है।

नारायण गुरु के शाश्वत आदर्शों से प्रेरित उनके प्रयास समाज में समानता, सद्भाव और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर समर्पित रहे हैं।"

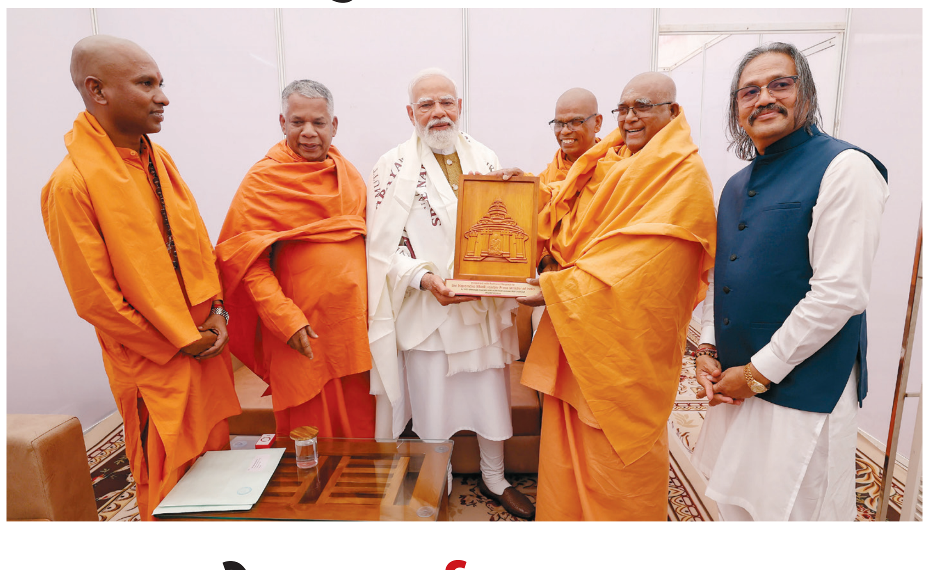

NICRA की समीक्षा कार्यशाला एवं (ACASA–India) के लॉन्च-कम-यूज़ केस कार्यशाला का उद्घाटन

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) और बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (BISA) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय जलवायु-सहिष्णु कृषि नवाचार (NICRA) की समीक्षा कार्यशाला तथा एटलस ऑफ क्लाइमेट अडैप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर (ACASA–India) के लॉन्च-कम-यूज़ केस कार्यशाला का उद्घाटन आज नई दिल्ली में डॉ. एम. एल. जाट, सचिव (DARE) एवं महानिदेशक (ICAR) द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य NICRA के 15 वर्षों के अनुभवों का समेकन करना, जलवायु सहनशीलता में भारत की उपलब्धियों का आकलन करना तथा समेकित विज्ञान, नीति-संरेखण और लक्षित निवेश के माध्यम से जलवायु-सहिष्णु कृषि-खाद्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए एक डेटा-आधारित रोडमैप तैयार करना था।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. जाट ने कहा कि बसंत पंचमी, जो ज्ञान और नवचेतना का प्रतीक है, इस अवसर पर, भारत की जलवायु सहनशीलता की यात्रा पर विचार करने तथा आकाशा एटलस और NICRA पोर्टल जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय ज्ञान प्लेटफॉर्म के शुभारंभ के लिए एक उपयुक्त अवसर है। NICRA के 15 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ स्पष्ट रणनीतिक दिशा और दीर्घकालिक दृष्टि की आवश्यकता है। बार-बार आने वाली जलवायु चुनौतियों के बावजूद, विशेषकर वर्षा-आश्रित क्षेत्रों में भारतीय कृषि ने उल्लेखनीय सहनशीलता और उत्पादकता वृद्धि दिखाई है, जो जलवायु-सहिष्णु तकनीकों, सहायक नीतियों और संस्थागत समन्वय की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की जलवायु सहनशीलता एक एकीकृत तंत्र पर आधारित है, जिसमें विज्ञान, नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचार, सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन और समन्वित कार्यान्वयन शामिल हैं। NICRA, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुधन एवं मत्स्य मिशन जैसी पहलें मिलकर किसानों की अनुकूलन क्षमता और आजीविका को सुदृढ़ कर रही हैं। आगे की दिशा बताते हुए डॉ. जाट ने डेटा, अनुभवों और निवेशों को एकीकृत राष्ट्रीय जलवायु कार्य मंच में समाहित करने, सम्पूर्ण-सरकार और सम्पूर्ण-समाज दृष्टिकोण अपनाने तथा एक केंद्रीकृत डेटा पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।

महानिदेशक (ICAR) ने दोहराया कि भारत का अनुभव विज्ञान-आधारित और नीति-संरेखित समाधानों की एक मजबूत वैश्विक मिसाल प्रस्तुत करता है, जो जलवायु दबावों के बीच कृषि-खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा में सहायक है। इस संदर्भ में NICRA को जलवायु-सहिष्णु कृषि के लिए एक संभावित वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने एटलस ऑफ क्लाइमेट अडैप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर (ACASA–India) का औपचारिक शुभारंभ भी किया। यह ICAR के नेतृत्व वाले NARES द्वारा BISA–CIMMYT के सहयोग से विकसित एक वेब-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो स्थान-विशिष्ट और डेटा-आधारित अनुकूलन योजना बनाने में सहायता करेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. ए. के. नायक, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), ICAR; डॉ. राजबीर सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), ICAR; डॉ. बी. वेंकटेश्वरलु, अध्यक्ष, NICRA विशेषज्ञ समिति; डॉ. वी. के. सिंह, निदेशक, ICAR–केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद; तथा डॉ. पी. के. अग्रवाल*, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रमुख, BISA–CIMMYT शामिल थे।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के संचालक का जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद

फ्लैगशिप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

लाल बहादुर शास्त्री राष्टीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के संचालक श्रीराम तरणिकांति ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं शासन की प्रमुख फ्लैगशिप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संदीप अग्रवाल, सहायक कलेक्टर अरविंथ कुमारन, एडीएम शिवकुमार बनर्जी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कलेक्टर ने जिले का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए प्रशासनिक संरचना, विभागीय समन्वय एवं शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जिले में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। अपने उद्बोधन में तरणिकांति ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में व्यापक, समावेशी एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को केवल उन्हीं कार्यों तक सीमित नहीं रहना चाहिए जो प्रत्यक्ष रूप से उनके समक्ष आते हैं, बल्कि उन विषयों पर भी सक्रिय पहल करनी चाहिए जो सामान्यत: सामने नहीं आ पाते। इससे शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि वे संवेदनशीलता, नवाचार एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से उतारें तथा शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

जिला पंचायत की बैठक 28 को

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला पंचायत की बैठक 28 जनवरी को आहूत की गई है। इसके अंतर्गत सामान्य सभा की बैठक दोपहर 12 बजे एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक शाम 4 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी करेंगे। सामान्य सभा की बैठक में कृषि, अंत्यावसायी, जिला व्यापार उद्योग, खादी ग्रामोद्योग एवं खनिज विभाग अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जायेगी। सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सहकारिता एवं खाद्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी और समीक्षा एवं अध्यक्ष सूर्यवंशी की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला रायपुर में 29 से

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 29, 30 एवं 31 जनवरी 2026 को शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सेजबहार रायपुर में किया जा रहा है। जिसमें बिलासपुर जिले के युवा 31 जनवरी 2026 को मेले में शामिल हो सकते है। विभिन्न कंपनियों के द्वारा 15 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। जिसमें तकनीक एवं गैर तकनीकी पद शामिल है। इच्छुक आवेदक www.erojgar.cg.gov.in पोर्टल में अपना पंजीयन करा सकते है। पोर्टल में कंपनियों एवं रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। इच्छुक युवा अपने शैक्षणिक योग्यता, रोजगार पंजीयन, फोटो इत्यादि दस्तावेज के साथ 31 जनवरी को मेले में शामिल हो सकते है।

खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी कर्मचारी संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

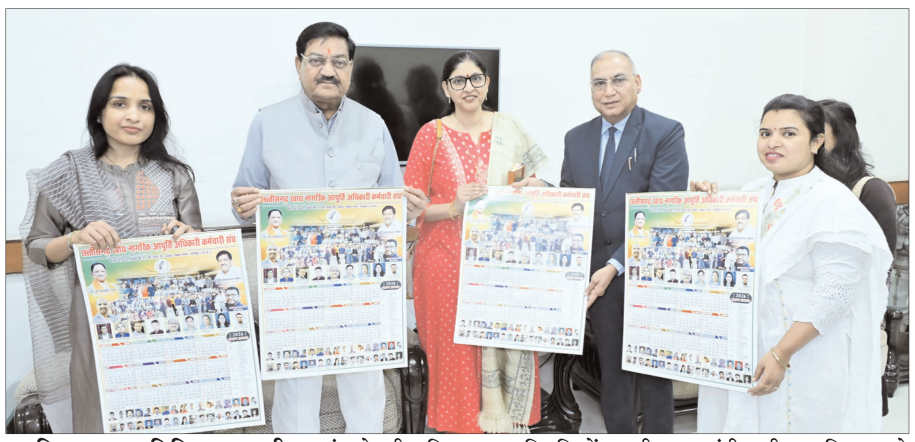

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया तथा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव महोदया श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले की गरिमामय उपस्थिति में छत्तीसगढ़ खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी कर्मचारी संघ के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर संघ की महामंत्री वीणा किरण ने कैलेंडर के माध्यम से विभागीय कार्यों, जनहित से जुड़ी योजनाओं और कर्मचारियों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कैलेंडर केवल तिथियों का संकलन नहीं, बल्कि सेवा-भाव, पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कार्यक्रम में खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नटवर सिंह राठौर, उपाध्यक्ष सन्तोष सिंह, श्रीमती शशि सिंह, श्याम वस्त्रकार एवं रायपुर जिले से वीणा किरण, सरिता अग्रवाल व शुभा गुप्ता भी उपस्थित थे।

माननीय अतिथियों ने संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी-कर्मचारियो के अनुशासन, संवेदनशीलता और जवाबदेही का विभागीय कार्यों में विशेष महत्व है। इनके माध्यम से ही शासन के महत्वपूर्ण योजनाओं का मूर्तरूप प्रदेश की अंतिम व्यक्ति तक दिखाई देता है। इसके लिए विभाग के सभी अधिकारियों हेतु शुभकामनाएं व्यक्त किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर कुसमुंडा में सरस्वती पूजन के साथ विद्यारंभ संस्कार सम्पन्न

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमुंडा में दिनांक 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की आराधना से हुई, जिसमें उपस्थित भैया-बहनों द्वारा समर्पण राशि अर्पित की गई।

इसके पश्चात विद्यालय के पुजारी श्री अशोक दुबे आचार्य द्वारा नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। इस दौरान नवीन प्रवेशित बच्चों की जीभ पर मधुरस से प्रणव अक्षर 'ॐ' लिखकर उन्हें पहला अक्षर ज्ञान कराया गया। विद्यारंभ संस्कार के माध्यम से बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता,

संस्कार और अनुशासन के महत्व को रेखांकित किया गया, ताकि उनकी शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर जीवन निर्माण का सशक्त आधार बने।

बसंत पंचमी पर 30 नन्हे बच्चों ने किया शिक्षा जीवन का शुभारंभ, खिचड़ी भंडारे का हुआ आयोजन

इस विद्यारंभ संस्कार में कुल 30 भैया-बहन उपस्थित रहे। शिशु वाटिका, प्राइमरी एवं हाई स्कूल के सभी भैया-बहनों ने पीले वस्त्र धारण कर पंक्तिबद्ध होकर फूल एवं नारियल अर्पित करते हुए मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की।

बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर प्रसाद वितरण एवं खिचड़ी भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसरपर प्रभारी प्राचार्य श्री शांति कुमार राठौर ने सभी भैया-बहनों, उपस्थित अभिभावकों एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया। समस्त आचार्य परिवार के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

राकेश मिंज और आर्यन खेस राज्य वीरता पुरस्कार से होंगे सम्मानित

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले के दो होनहार बालक मास्टर राकेश मिंज एवं आर्यन खेस ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक मासूम की जान बचाकर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर दोनों बच्चों का नाम राज्य वीरता पुरस्कार के लिए प्रस्तावित किया गया था,

जिसे शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। अब दोनों वीर बालकों को 26 जनवरी को राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। दोनों को 25 हजार रुपए की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर ने दोनों बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एल. आर.कच्छप ने बताया कि 24 सितंबर 2025 को एक 05 वर्षीय बालक दादू मिंज पानी में डूब रहा था। समय रहते राकेश और आर्यन ने साहस दिखाते हुए उसे पानी से बाहर निकाला। बालक के पेट में पानी भर जाने के कारण उसकी हालत गंभीर थी, लेकिन दोनों ने सूझबूझ से पेट दबाकर पानी निकाला और उसकी जान बचाई।

जरहागॉव की महिलाओं ने मत्स्य पालन से बदली अपनी तक़दीर

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

विकासखण्ड मुंगेली के नगर पंचायत जरहागॉव की रामजानकी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित आज महिला नेतृत्व, सामूहिक प्रयास और स्वरोजगार आधारित आजीविका का सशक्त उदाहरण बन चुकी है। समिति की अध्यक्ष श्रीमती मीनाबाई धुरी के नेतृत्व में जरहागॉव की 25 महिला सदस्यों ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह प्रशस्त की है। समिति द्वारा नगर पंचायत जरहागॉव स्थित शासकीय अमहा तालाब को 10 वर्षों की अवधि के लिए पट्टे पर लिया गया है। इसके पश्चात समिति ने वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन कार्य प्रारंभ किया। निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता के परिणामस्वरूप समिति का

उत्पादन एवं आय निरंतर बढ़ रही है। समिति द्वारा एक साल में लगभग 3.3 क्विंटल मत्स्य उत्पादन किया गया, जिससे लगभग 3.00 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार की संभावनाओं को सशक्त रूप से दर्शाती है।

मत्स्य पालन विभाग के सहायक संचाकल आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि समिति के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए मत्स्य विभाग द्वारा समय-समय पर आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। विभाग के माध्यम से समिति को जाल, आइस बॉक्स, प्लेक्टॉन ग्रोवर उपलब्ध कराए गए, साथ ही 10 दिवसीय विभागीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे सदस्यों की तकनीकी दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। समिति की प्रारंभिक लागत को कम करने और कार्य विस्तार हेतु समिति की मांग पर विभाग द्वारा 03 लाख रुपये का ऋण प्रकरण बैंक को प्रेषित किया गया। समिति की कार्यशीलता और अनुशासित संचालन को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, जरहागॉव द्वारा 02 लाख रुपये का किसान क्रेडिट कार्ड स्वीकृत एवं वितरित किया गया। पूर्व में समिति की अधिकांश सदस्य केवल कृषि पर आधारित थीं, जिससे सीमित आय ही प्राप्त हो पाती थी।

एलबीएसएनएए निदेशक श्रीराम तरानिकांति का रायगढ़ दौरा

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टोरेट में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आवश्यक चर्चा की, जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी बनाने पर जोर मसूरी स्थित प्रतिष्ठित लाल बहादुर शास्त्री राष्टीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) के निदेशक श्री श्रीराम तरानिकांति आज रायगढ़ जिले के दौरे पर पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने शहर की प्रमुख नागरिक व्यवस्थाओं का स्थलीय अवलोकन किया और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत को परखा। दौरे के दौरान तरानिकांति ने रायगढ़ शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, साफ-सफाई, ट्रैफिक प्रबंधन तथा नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने शहरी प्रबंधन में नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग और नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके पश्चात जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, जिला वन मंडलाधिकारी अरविंद पीएम, जिला पंचायत सीईओ कलेक्टर अक्षय डोसी, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय, अपर कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो, रवि राही, डॉ. प्रियंका वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एलबीएसएनएए निदेशक तरानिकांति ने अधिकारियों से विभागवार कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

हाथी प्रभावित क्षेत्रों में जानमाल की सुरक्षा के लिए जन जागरूकता जरूरी-कलेक्टर

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले में जंगली हाथियों की सुरक्षा तथा मानव-हाथी द्वंद्व के कारण होने वाली जन-धन की क्षति को रोकने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा जिला स्तरीय समन्वय समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने की। बैठक में रायगढ़ वनमण्डलाधिकारी अरविंद पी.एम., धरमजयगढ़ वनमण्डलाधिकारी जितेन्द्र उपाध्याय, उप मंडलाधिकारी रायगढ़ तन्मय कौशिक, डिप्टी कलेक्टर धनराज मरकाम सहित वन, राजस्व, पुलिस, विद्युत, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में जनहानि की रोकथाम जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इस दिशा में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने, ग्रामीण स्तर पर कोटवारों को सतर्क रखने तथा सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ सतत रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में हाथी प्रभावित वन एवं ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाली विद्युत लाइनों को मानक ऊंचाई पर संधारित रखने, नीचे झूल रहे तारों को दुरुस्त करने तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

कलेक्टर ने विद्युत सुरक्षा से संबंधित कार्यों में सतर्कता बरतने एवं आवश्यक सुधार समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने फसल, संपत्ति एवं अन्य क्षति के मामलों में त्वरित सर्वेक्षण, आकलन एवं समयबद्ध मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने, राजस्व अमलों को मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक दस्तावेज समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। मृत्यु प्रकरणों में मुआवजा भुगतान में विलंब न हो, इसके लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट की स्पष्टता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु चिकित्सकों को आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। बैठक में हाथी मूवमेंट वाले मार्गों एवं सड़कों पर ट्रैफिक नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन तथा सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए पुलिस विभाग की सक्रिय भूमिका पर विचार किया गया। इसके साथ ही अवैध शिकार एवं वन उपज के अवैध परिवहन पर निगरानी रखते हुए नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कृषि कार्य के दौरान विद्युत सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

बैठक में कृषकों को सुरक्षित एवं स्थायी विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने, विद्युत विभाग को प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा किसानों को विद्युत सुरक्षा संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक करने पर सहमति व्यक्त की गई, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इसके साथ ही हाथी गतिविधियों की निगरानी हेतु टेक्नोलॉजी आधारित उपाय अपनाने, समय पर सूचना तंत्र को सुदृढ़ करने तथा मुआवजा प्रकरणों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। बैठक में हाथी प्रभावित क्षेत्रों के उपार्जन केंद्रों से धान का त्वरित उठाव सुनिश्चित करने तथा समन्वित प्रयासों से मानव-हाथी द्वंद्व की घटनाओं को न्यूनतम करने पर सहमति व्यक्त की गई।

केलो परियोजना बनी रायगढ़ की जीवन रेखा, कृषि विकास और जल सुरक्षा को मिली नई मजबूती

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

केलो परियोजना ने बदली रायगढ़ की तस्वीर, कृषि विकास और जल सुरक्षा को मिला रहा ठोस आधार रायगढ़ की जीवनदायिनी केलो परियोजना से समृद्धि की नई धारा, कृषि विकास और जल सुरक्षा विभागीय अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि केलो वृहद सिंचाई परियोजना को शासन से तृतीय पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। परियोजना की वर्तमान स्वीकृत लागत 1182.90 करोड़ रुपए है, जिससे शेष कार्यों को तीव्र गति मिली है। परियोजना अंतर्गत बांध, नहर एवं पुनर्वास के लिए कुल 2548 हेक्टेयर भूमि में से 2517 हेक्टेयर भूमि का अर्जन पूर्ण कर लिया गया है, जो लगभग 99 प्रतिशत है। अर्जित भूमि के बदले अधिकांश प्रभावित हितग्राहियों को मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है।

केलो बांध के डूबान क्षेत्र से विस्थापित सभी परिवारों को पुनर्वास ग्रामों में नि:शुल्क आवासीय भू-खंड, सड़क, बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ सुव्यवस्थित रूप से बसाया गया है। 01 जनवरी 2014 के बाद पारित भू-अर्जन प्रकरणों में लगभग 90 प्रतिशत पुनर्वास अनुदान का भुगतान पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष राशि का वितरण निरंतर जारी है। निर्माण कार्यों की प्रगति पर नजर डालें तो परियोजना अंतर्गत 1295 मीटर लंबा एवं 24.22 मीटर ऊँचा स्पील-वे बांध, 142.90 मीटर तथा शेडल-2 बांध का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। कुल 311.945 किलोमीटर नहरों में से 252.36 किलोमीटर नहरों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। 85 लघु नहरों में से 29 का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, जबकि शेष नहरों का निर्माण कार्य तेज गति से प्रगति पर है। केलो वृहद सिंचाई परियोजना के माध्यम से रायगढ़, खरसिया एवं चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के कुल 164 ग्रामों की 21225 हेक्टेयर कृषि भूमि को खरीफ फसल हेतु सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान में 18515 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित की जा चुकी है, जिससे किसानों की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। केलो बांध से रायगढ़ शहर एवं आसपास के क्षेत्रों को पेयजल एवं निस्तार हेतु सतत जल प्रदाय किया जा रहा है। इसके लिए बांध में 4.44 मि.घ.मी. जल का प्रावधान रखा गया है।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

प्रशस्ति पत्र और डेढ़-डेढ़ लाख रुपये की सम्मान राशि से 239 विद्यार्थी सम्मानित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक भवन में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ये 2024 एवं 2025 के टॉप 10 मेधावी और विशेष पिछडी जनजाति के टॉप 01 विद्यार्थी है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाएं हमारे जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रथम सीढ़ी है। आपने एक पड़ाव पार किया है अब अगले पड़ाव की ओर जा रहे है। जहां एक ओर इस सफ्लता की प्रेरणा आपको नवीन ऊर्जा के साथ प्रगति का रास्ता प्रशस्त करती है और वहीं यह सम्मान अन्य विद्यार्थियों को मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपार संभावनाओं का प्रदेश है। ''धान का कटोरा'' कहा जाने वाला हमारा राज्य अब शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति बहुत उन्नत है। हमें अपने राज्य की सनातन संस्कृति पर गर्व का भाव होना चाहिए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी आईआईटी, नीट की परीक्षा देकर इंजीनियरिंग और मेडिकल मे जाना चाहते है लेकिन सभी को सफ्लता नहीं मिलती है। इसके लिए निराश होने की जरूरत नहीं हैं। नए-नए विषय है जहां आप कैरियर की ऊची उड़ान भर सकते है। धैर्य के साथ आगे बढ़े। गिरना बडी बात नहीं है गिर कर खड़े होना महत्वपूर्ण है। सपना बड़ा होना चाहिए। सपनें को पूरा करने के लिए साधना और अभ्यास करना होता है। उन्होंने मौलिकता और नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के बच्चें शिक्षा में आगे बढ़ रहे है, यह बहुत सराहनीय है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी हमारे देश एवं प्रदेश के भविष्य हो। आप लोगों के कंधे पर देश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आज जो सफ्लता आप सभी छात्रों को मिली है निश्चित ही इस सफ्लता के पीछे आपके शिक्षक गुरुओं एवं माता पिता के आशीर्वाद है। उनके आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं है। इस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन और बसंत पंचमी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा हम सब पर सदैव मां सरस्वती का आशीर्वाद बना रहें।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने बताया कि सत्र 2024 एवं 2025 के 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के 239 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल, प्रशस्ति पत्र और प्रत्येक विद्यार्थी को डेढ़-डेढ़ लाख की राशि सीधे उनके खाते में दी गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को दिए इस प्रोत्साहन से शिक्षा के प्रति उनका रूझान बढ़ेगा और दूसरे विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की विशाल तिरंगा यात्रा 31 को

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा जिसमें तिरंगा की लंबाई 2026 फूट रहेगी । इस आयोजन में 3000 स्कूली छात्र छात्राएं शामिल होंगी। यह आयोजन दिनांक 31 जनवरी शनिवार को यात्रा आरम्भ का समय सुबह 9 बजे होगी। यह आयोजन कलेक्टोरेट ऑफिस (महतारी चौक) से आरम्भ होकर नेताजी सुभाष स्टेडियम में समाप्त होगी।

भूपेश बघेल असम में भाजपा के अंत का दिवास्वप्न देख रहे हैं - संतोष पांडेय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा है कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल असम में भाजपा के अंत का दिवास्वप्न देख रहे हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि आजकल मुद्दों की दरिद्रता के चलते राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझ रहे बघेल शायद स्मृतिलोप के दौर से भी गुजर रहे हैं। बघेल को यह तो कतई नहीं भूलना चाहिए कि जिन-जिन प्रदेशों की कमान उनको सौंपी गई थी, उन-उन प्रदेशों में कांग्रेस का बंटाढार हो चुका है, और असम भी उनमें एक राज्य रहा है।

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और देश के जनमानस का मूड भाँपने में भूपेश बघेल हर बार गच्चा खाने के बाद भी मुंगेरीलाल की तरह फिर असम में भाजपा के अंत का सपना देख रहे हैं। बघेल ऐसे सपने देखकर चाहे जितनी डींगें हाँकते और परिवार-वन्दना की शर्मनाक मिसाल पेश करते फिरें, पर इस सच्चाई से मुँह न चुराएँ कि प्रबुद्ध देशवासी कांग्रेस मुक्त भारत के लिए संकल्पित हो चुके हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में जिस सख्ती के साथ देश-विरोधी ताकतों को नेस्त-ओ-नाबूद किया जा रहा है, घुसपैठियों को उनके बिलों से निकाल बाहर करके असम में स्थायी शांति और विकास का मार्ग निष्कंटक बनाया जा रहा है, उससे दरअसल कांग्रेस की बदनीयती लहूलुहान हो रही है और उसी बिलबिलाहट में कांग्रेसी अपने बड़बोलेपन का प्रदर्शन कर रहे हैं। भूपेश बघेल अपनी ऐसी डींगों से एक बार फिर कांग्रेस के पराजय-पत्र पर हस्ताक्षर कर रहे हैं।

महिला पत्रकार अपने साहस से कर रहीं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत- सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला पत्रकार अपने साहस से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत कर रही हैं। मैं उन सभी महिलाओं के साहस को नमन करता हूं जो पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण पेशे में रह कर समाज में सकारात्मक योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री को महिला पत्रकारों के दल ने गुजराती अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर पहली बार छत्तीसगढ़ से महिला पत्रकारों के दल को अन्य राज्य के अध्ययन भ्रमण पर भेजने के लिए उनका आभार जताया। महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि विगत वर्ष महिला दिवस पर उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष महिला पत्रकारों को भी अध्ययन भ्रमण पर भेजे जाने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्हें बहुत खुशी है कि मुख्यमंत्री ने उन सभी की इस इच्छा को पूरा किया।

विशेष काव्य-पाठ

महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित सुरजीत नवदीप मंडप में गूंजा साहित्य, 90 से अधिक रचनाकारों की सहभागिता

ओपन माइक

सुर, शब्द और संवेदना का उत्सव

स्वाद और संस्कृति का संगम

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महक उठा साहित्य

नाटक 'चाणक्य' का मंचन

नाटक 'चाणक्य' का भव्य एवं प्रभावशाली मंचन

शिल्प साधना

आभूषण, हस्तकला और परंपरा ने रचा वैभव

रायपुर साहित्य उत्सव
आदि से अनादि तक
23-25 जनवरी 2026

शब्द, संवेदना और संस्कार का महासंगम

" सुरसरि सम सब कहँ हित होई "

23-25 जनवरी 2026
पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर

- 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों की सहभागिता
- 42 साहित्यिक सत्र - विचार, विमर्श और संवाद
- 10 हजार से अधिक पंजीकरण
- साहित्य, पत्रकारिता, सिनेमा, डिजिटल युग और एआई पर विशेष सत्र

उत्सव के मुख्य आकर्षण

साहित्यिक संवाद	पुरखा के सुरता	रजत प्रवाह
नाटक 'चाणक्य' का मंचन	राष्ट्रीय पुस्तक मेला	कवि सम्मेलन
युवाओं के लिए ओपन माइक	छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां	चित्रकला व कार्टून प्रतियोगिता

रामचरितमानस के बालकाण्ड की यह अमर चौपाई जिस लोक-मंगलकारी भावना को रेखांकित करती है, उसी कल्याणकारी चेतना को आत्मसात किए रायपुर की पावन धरा पर साहित्य उत्सव 'आदि से अनादि तक' का भव्य शंखनाद हुआ है। यह आयोजन संवेदना और संस्कार की उस अविरल धारा का अर्पण है, जो गंगा की पवित्र सरिता की भाँति मानवता के अभ्युदय के लिए युगों-युगों से प्रवाहित हो रही है।

नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह ने इस उत्सव को वैचारिक ऊँचाई प्रदान की। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, राज्यगीत और साहित्य उत्सव गीत से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को संस्कार और संवेदना से आलोकित कर दिया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा और सुप्रसिद्ध रंगकर्मी मनोज जोशी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने इसे एक स्मरणीय सांस्कृतिक क्षण बना दिया।

विमोचन और वैचारिक समृद्धि

इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक, छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकारों पर केंद्रित प्रकाशन, जे. नंदकुमार की नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया। यह क्षण राज्य की साहित्यिक यात्रा और समकालीन रचनात्मकता दोनों का उत्सव बन गया।

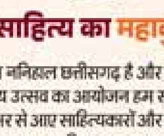

साहित्य का महाकुंभ

प्रभु श्रीराम का ननिहाल छत्तीसगढ़ है और इस पावन भूमि पर रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन हम सभी के लिए गर्व का विषय है। देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य-प्रेमियों का स्वागत है। यह उत्सव साहित्य का एक महाकुंभ है। उत्सव के मंडप विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित हैं—जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध सिखाती है—यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की "हार नहीं मानूंगा" जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री

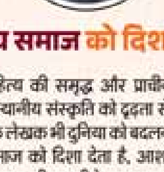

साहित्य समाज को दिशा देता है

छत्तीसगढ़ी साहित्य की समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है, जिसने अपनी स्थानीय संस्कृति को दृढ़ता से संजोया है। एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है और निराशा से उबारकर जीवन जीने का साहस प्रदान करता है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है—स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इस राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है, जिसने समाज की चेतना को निरंतर जाग्रत रखा।

श्री हरिवंश
माननीय उपसभापति

साहित्य को नई ऊर्जा

यह आयोजन साहित्य का महाकुंभ है, जो 12 वर्षों बाद पुनः आयोजित हुआ है। उस समय भी मैंने इसमें भाग लिया था और आज 2026 में फिर से सहभागी बना हूं। इस प्रकार के आयोजन हमें नई ऊर्जा और प्रेरणा देते हैं। ऐसे आयोजन बार-बार होते रहें और इनका विस्तार हर जगह हो, ताकि बस्तर संभाग सहित सभी क्षेत्रों के लोग इससे जुड़ सकें।

शिव कुमार पांडेय
बस्तर के कहानी-किस्सों के लेखक

साहित्य सबका अधिकार है

हर साहित्य उत्सव के बाहर यह लिखा होना चाहिए कि "आप अंदर आइए।" ऐसा इसलिए, क्योंकि साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति का उत्सव है और साहित्य सबका अधिकार है। लोगों को पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पढ़ना मसल फ्लेक्स करने जैसा है—जितना अभ्यास, उतनी मजबूती। इस तरह के आयोजन पाठकों को किताबों से जोड़ने का प्रयास है

टीजे भानु
अभिनेत्री

"संस्कृति का संस्कार रूप साहित्य अमर है" उत्सव का यही स्वर रायपुर की फ़िज़ाओं में गूंज रहा है।

S/41314

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444